# हिंदी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

## सेमेस्टर –IV

## बी.ए.ऑनर्स (हिंदी)

### भारतीय काव्यशास्त्र

### Core Course – DSC10

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| **भारतीय काव्यशास्त्र(DSC10)** | **4** | **3** | **1** | **0** | **हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण** | **NIL** |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोधकराना।
2. काव्य-चिंतन के विभिन्नसंप्रदायों से अवगतकराना।
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवंछंदों की संरचना से परिचितकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतनपरंपरा से अवगतहोसकेंगे।
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोगकरसकेंगे।
3. पारंपरिकऔरआधुनिककाव्य-विवेक केनैरंतर्य की समझ समृद्धहोगी।

**इकाई–1(12 घंटे)**

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्यभरतमुनि से पंडितराजजगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्तपरिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

**इकाई–2(12 घंटे)**

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

**इकाई –3(12 घंटे)**

- रसः स्वरूप, अवयवऔरभेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

**इकाई–4(9घंटे)**

- **शब्द-शक्ति:**अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- **अलंकार:** शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- **छंद:**समवर्णिक–सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक –चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक –बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक –कुंडलिया, छप्पय

**सहायकग्रंथ:**


1. रस-मीमांसा–आचार्यरामचंद्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. साहित्य-सहचर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
3. रस-सिद्धांत–डॉ. नगेंद्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (भाग2) –डॉ. नगेंद्र, ओरियंटलबुकडिपो।


## सेमेस्टर –IV
## आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
## Core Course–DSC11

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (DSC11) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):**

1. आधुनिक हिंदी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
2. खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):**

1. तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
2. स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिंदीभाषा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
3. कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**इकाई –1 (12 घंटे)**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र –नए जमाने की मुकरी (संपादन 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त– 'भारत-भारती' के भविष्यत खंड (92-98)से कवि शिक्षा (106-111)
  (भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984)

**इकाई –2(12 घंटे)**

- रामनरेश त्रिपाठी– पथिक: प्रथम सर्ग से – 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक(हिंदी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद –पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड1,संपादक –रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन)

**इकाई –3 (12 घंटे)**

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  (निराला रचनावली, खंड1, संपादक –नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत –द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  (सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, संपादक – कुमार विमल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**इकाई –4(9घंटे)**

- महादेवी वर्मा – पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  (महादेवी रचना संचयन, संपादक–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  (स्वतंत्रता पुकारती, संपादक– नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

**सहायकग्रंथ:**


1. भारतेंदु रचना संचयन, संपादक–गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदीनवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद।
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्रशाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, राजस्थान।
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**सेमेस्टर –IV**

**हिंदी उपन्यास**

**Core Course–DSC12**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी उपन्यास (DSC12) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):**

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
2. प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
3. कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
4. उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

**इकाई –1 (12 घंटे)**

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास

**इकाई –2(12 घंटे)**

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान–श्रीनिवासदास,प्रेमचंद, जैनेंद्र,अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, धर्मवीर भारती, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी, मंजुल भगत,चित्रा मुद्गल।

**इकाई –3 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद– कर्मभूमि

**इकाई –4(9घंटे)**

- श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी

**सहायक ग्रंथ:**


1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास – (संपादक) भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद: एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी उपन्यास –(संपादक) नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV

## हिंदी लोकनाट्य

## Elective Course –DSE4

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी लोकनाट्य(DSE 4) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):**

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।
3. हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1** **(12घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

**इकाई – 2(12घंटे)**

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय: रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

**इकाई– 3: पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)**

- नलदमयंती – सांग (लखमीचंद)

**इकाई– 4 : पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)**

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

**सहायक ग्रंथ:**


1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य–वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली– (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य–जगदीशचंद्रमाथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य–श्याम परमार,लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन।

**सेमेस्टर –IV**

**पर्यावरण और हिंदी साहित्य**

**Elective Course – DSE5**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

**इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)**

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

**इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)**

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

**इकाई 3 :कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)**

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) :फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

**इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)**

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

**सहायक ग्रंथ:**


1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

## सेमेस्टर –IV
## जनसंचार माध्यमऔर तकनीक
## Elective Course – DSE6

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| जनसंचार माध्यम और तकनीक (DSE6) | 4 | 3 | 1 | 0 | हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

10. विद्यार्थियोंकोजनसंचार माध्यमों के विस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
11. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
12. जनसंचार माध्यम और तकनीकसे जुड़ी आचार संहिताओं काबोधकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
2. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
3. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

**इकाई–1:जनसंचार : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)**

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषाव स्वरूप
- जनसंचारकेउद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

**इकाई–2 : जनसंचार केमाध्यम (12 घंटे)**

- प्रिंट ,रेडियोऔरटेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशलमीडिया–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्सतथा अन्यमाध्यम

**इकाई–3 :जनसंचार :तकनीकी पक्ष(12घंटे)**

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग

- न्यू मीडिया

**इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (9 घंटे)**

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

**सहायकग्रंथ:**


1. भूमंडलीकरण और मीडिया –कुमुदशर्मा।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी।
3. जनसंचार – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
4. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख।
5. इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार।
6. सोशलनेटवर्किंग: नएसमयकासंवाद–(संपादक)संजयद्विवेदी।
7. वर्चुअलरिएलिटिऔरइंटरनेट- जगदीश्वरचतुर्वेदी।
8. सोशलमीडियाऔरब्लॉगलेखन–स्नेहलता।
9. नएमाध्यम, नईहिंदी–प्रो. हरिमोहन।
10. सोशल मीडिया–स्वर्ण सुमन।
11. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा।
12. संचारक्रांतिऔरबदलतासामाजिकसौंदर्यबोध–कृष्णकुमाररत्तू।

# सेमेस्टर –IV
## ब्लॉग लेखन
## GE Hindi Course – GE7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| **ब्लॉग लेखन (GE7)** | **4** | **3** | **1** | **0** | **12वीं उत्तीर्ण** | **NIL** |

**पाठ्यक्रमकाउद्देश्य (Course Objective):**

1. ब्लॉगकेविकासकेसाथ-साथभाषा, समाजऔरसंस्कृतिकीजानकारी देना।
2. ब्लॉगलेखनकेविभिन्नप्रभावोंकाअध्ययनकरना।

**पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. ब्लॉगलेखनऔरसमाजकेसंबंधकीव्यावहारिकजानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉगलेखनकेमाध्यमसेसामाजिक, सांस्कृतिकसमझविकसित होगी।

**इकाई –1 : ब्लॉगलेखन: अवधारणा(12 घंटे)**

- ब्लॉगकास्वरूप
- ब्लॉगलेखनकाविकास
- ब्लॉगलेखन: भाषा, समाजऔरसंस्कृति
- ब्लॉगलेखनकाप्रभाव

**इकाई –2 : ब्लॉगलेखन : व्यक्तिऔरसमाज(12 घंटे)**

- ब्लॉगलेखनऔरव्यक्तिरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरसामाजिकरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरजनभागीदारी
- ब्लॉगलेखनऔरसोशलमीडिया

**इकाई –3 : ब्लॉगलेखनकेप्रकार(12 घंटे)**

- साहित्यिक-सांस्कृतिक
- राजनीतिक-सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूदएवंअन्य

**इकाई –4: ब्लॉगनिर्माण(9घंटे)**

- भाषाएवंसंरचना
- ब्लॉगनिर्माणकीप्रक्रिया
- किसीविशिष्टविषयपरब्लॉगलेखन

**सहायक ग्रंथ:**


1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. इंटरनेट जर्नलिज़म–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन,जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन,भारत।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास,रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

**सेमेस्टर –IV**

**हिंदीभाषाऔरविज्ञापन**

**GE Hindi Course – GE8**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| हिंदी भाषा और विज्ञापन (GE8) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. विद्यार्थियोंकोविज्ञापनकेविस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
2. विज्ञापनभाषाकेस्वरूपऔरविशेषताओंकाबोधकराना।
3. विभिन्नमाध्यमोंकेलिएविज्ञापनकॉपीलेखनकाअभ्यासकराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. विज्ञापनलेखनके मध्यम सेभाषा-दक्षताविकसित होगी।
2. विज्ञापननिर्माणकीपूरीप्रक्रियाकोसमझ सकेंगे।
3. विज्ञापनबाज़ारमेंविभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
4. कॉपीलेखनके कार्य में सक्षम हो सकेंगे।

**इकाई– 1 : विज्ञापन : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)**

- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषाऔरमहत्त्व
- विज्ञापनकेउद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापनकेप्रमुखप्रकार
- विज्ञापनकेप्रभाव

**इकाई–2 : विज्ञापनमाध्यम(12 घंटे)**

- विज्ञापनमाध्यमचयनकेआधार
- प्रिंट, रेडियोऔरटेलीविज़नके लिए विज्ञापन
- डिजिटलविज्ञापनतथाआउटऑफ़होमविज्ञापन–होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइनबोर्ड
- सोशलमीडियाविज्ञापन–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, सोशलनेटवर्किंगसाइट्स

**इकाई–3 : विज्ञापनकीभाषा(12 घंटे)**

- विज्ञापनकीभाषाकास्वरूपएवंविशेषताएँ
- विज्ञापनकीभाषा-शैलीकेविभिन्नपक्ष–सादृश्यविधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, भाव-भंगिमा (बॉडीलैंग्वेज)

- विज्ञापनस्लोगनएवंपंचलाइन

**इकाई–4: विज्ञापन: कॉपीलेखन(9घंटे)**

- विज्ञापनकॉपीकेअंग
- प्रिंटमाध्यम: लेआउटकेविविधप्रारूप
- वर्गीकृतएवंसजावटीविज्ञापन-निर्माण
- रेडियोजिंगललेखन
- टेलीविज़नविज्ञापनकेलिएकॉपीलेखन

**सहायकग्रंथ:**


1. जनसंपर्क, प्रचारऔरविज्ञापन–विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन,जयपुर।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी,नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. डिजिटलयुगमेंविज्ञापन–सुधासिंह, जगदीश्वरचतुर्वेदी, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. विज्ञापनकीदुनिया–कुमुदशर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विज्ञापन: भाषाऔरसंरचना–रेखासेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विज्ञापनऔरब्रांड – संजयसिंहबघेल,सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली।
7. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

# सेमेस्टर –IV

# BA (Prog.)With Hindi as MAJOR

## अन्य गद्य विधाएँ

## Core Course – DSC7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| **अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)** | **4** | **3** | **1** | **0** | **12वीं उत्तीर्ण** | **NIL** |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई –2 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई –3(12 घंटे)**

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई –4(9घंटे)**

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ:**


1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV
## किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र
## Core Course – DSC8-A

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

**इकाई – 1 : कविताएं (12 घंटे)**

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

**इकाई – 2: नाटक (12 घंटे)**

- नीलदेवी

**इकाई – 3: निबंध (12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

**इकाई – 4 : विविध (9 घंटे)**

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

**सहायक ग्रंथ:**


1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## सेमेस्टर –IV
## किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद
## Core Course – DSC8-B

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-B) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

1. छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
2. जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. जयशंकर प्रसाद के लेखन-दृष्टि की गंभीर समझ विकसित होगी।
2. छायावाद और राष्ट्रीय आंदोलन के आपसी संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का ज्ञान प्राप्त होगा।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- कविताएँ – बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

**इकाई –2(12 घंटे)**

- कहानियाँ – आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**इकाई–3(12 घंटे)**

- नाटक – अजातशत्रु

**इकाई–4 (9 घंटे)**

- निबंध – यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

**सहायक ग्रंथ:**


1. प्रसाद रचना संचयन – (संपादक) विष्णु प्रभाकर और रमेश चंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी।
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद।
4. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन –सुमित्रानन्दन पंत।
5. छायावाद – नामवर सिंह।
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
7. छायावाद की प्रासंगिकता –रमेशचंद्र शाह।
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही।
9. छायावाद का पतन – डॉ. देवराज।
10. कामायनी: एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध।
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन – (संपादक) इंद्रनाथ मदान।
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम – करुणा शंकर उपाध्याय।
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) – श्यामबिहारी श्यामल।

## सेमेस्टर –IV

## BA (Prog.)With Hindi as NON-MAJOR

## अन्य गद्य विधाएँ

## Core Course – DSC7

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteof the course |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical | | |
| अन्य गद्य विधाएँ (DSC7) | 4 | 3 | 1 | 0 | 12वीं उत्तीर्ण | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

**इकाई – 1 (12 घंटे)**

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई –2 (12 घंटे)**

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

**इकाई –3(12 घंटे)**

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

**इकाई –4(9घंटे)**

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

**सहायक ग्रंथ:**

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

**DEPARTMENT OF HINDI**

**SEMESTER – V**

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V : DSC-13**

**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | NIL |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे।

**इकाई 1 :** **(12 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत

**इकाई 2 :** **(12 घंटे)**

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

**इकाई 3 :** **(9 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V : DSC-14**

**आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर) | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्भों को समझने में सक्षम बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 : (12 घंटे)**

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

**इकाई 2 : (12 घंटे)**

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप
  (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा
  (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

**इकाई 3 :** **(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नही सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अज़ीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V : DSC-15**

**हिंदी आलोचना**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC-15 हिंदी आलोचना | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

**इकाई 1 : (9 घंटे)**

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

**इकाई 2 : (12 घंटे)**

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

**इकाई 3 : (12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ

- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – ‘तार सप्तक’ की भूमिका

**इकाई 4 :** **(12 घंटे)**

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला (‘प्रसाद, निराला, अज्ञेय’ पुस्तक से)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V: DSE**

**भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

**इकाई-1 : (12 घंटे)**

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

**इकाई-2 : (12 घंटे)**

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

**इकाई-3 : (9 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

**इकाई-4 :** **(12 घंटे)**

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V: DSE**

**हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

**इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय** **(11 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

**इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार** **(11 घंटे)**

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार

- गीत और संगीत का बाजार
- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

**इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप** **(11 घंटे)**

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

**इकाई 4 : फिल्मों का** (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) **अध्ययन** **(12 घंटे)**

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

**विशेष:** उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : DSE**
**हिंदी यात्रा साहित्य**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE<br>हिंदी यात्रा साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

**इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप (12 घंटे)**

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

**इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय (12 घंटे)**

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

**इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)**

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन

- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

**इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(9 घंटे)**

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**

**Semester V : GE**

**कंप्यूटर और हिंदी**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE कंप्यूटर और हिंदी | 4 | 3 | 0 | 1 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।
- हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट्स से परिचित कराना।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

**इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी** **(12 घंटे)**

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

**इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी** **(9 घंटे)**

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

**इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण** **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण

- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

**इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष** **(12 घंटे)**

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons) Hindi**
**Semester V : GE**
**रंगमच और लोक-साहित्य**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE रंगमंच और लोक-साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

**इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा** **(9 घंटे)**

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

**इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय** **(12 घंटे)**

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

**इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- लखमीचंद : सांग – 'नल दमयन्ती'
- भिखारी ठाकुर : 'बिदेसिया'

**इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – 'हयवदन'
- सिद्धेश्वर सेन : माच – 'राजा भरथरी'

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press,1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**

**Semester V : DSC-9**

**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

**इकाई 2 : शब्द परिचय** **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

**इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार** **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

**इकाई 4 : वाक्य-परिचय** **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

## BA (Prog.) With Hindi as MAJOR
## Semester V : DSC-10
## राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-10 राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग** **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा के विविध रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

**इकाई 2 : राजभाषा हिंदी** **(12 घंटे)**

- राजभाषा : तात्पर्य और स्वरूप
- राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

**इकाई 3 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी** **(12 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
- संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

**इकाई 4 : हिंदी का अनुप्रयोग** **(9 घंटे)**

- राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)
- राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; राजभाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, डॉ. देवेंद्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ एवं समाधान, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. सिंह, शंकर दयाल; हिंदी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. राजवीर; राजभाषा हिंदी : विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. गिरि, डॉ. राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR**

**Semester V : DSC-9**

**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course Code & Title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

**इकाई 2 : शब्द परिचय** **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

**इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार** **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

**इकाई 4 : वाक्य-परिचय** **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : DSE**

**विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य**

<table>
<tr><th rowspan="2">Course Code & title</th><th rowspan="2">Credits</th><th colspan="3">Credit distribution of the course</th><th rowspan="2">Eligibility Criteria</th><th rowspan="2">Pre-requisite of the course (If any)</th></tr>
<tr><th>Lecture</th><th>Tutorial</th><th>Practical / Practice</th></tr>
<tr><td>DSE विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य</td><td>4</td><td>3</td><td>1</td><td>0</td><td>12th Pass</td><td>—</td></tr>
</table>

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे।

**इकाई 1 : भारत-विभाजन और स्वाधीनता** **(12 घंटे)**

- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम
- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय

**इकाई 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता** **(12 घंटे)**

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की शृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

**इकाई 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी** **(12 घंटे)**

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- मैं जिंदा रहूँगा – विष्णु प्रभाकर

**इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास** **(9 घंटे)**

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु

**सहायक ग्रंथों की सूची :**


1. प्रसाद, डॉ. राजेंद्र; खंडित भारत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरीला, नरेंद्र सिंह; विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शेषाद्रि, हो. वे.; ...और देश बंट गया, सुरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
4. लोहिया, राम मनोहर; भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, अनिता इंदर; भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
7. प्रियंवद; भारत विभाजन की अंतःकथा, पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, बलबीर; भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. यादव, सुभाष चंद्र; भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
10. मोहन, नरेंद्र; विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. मधुरेश; हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
14. मधुरेश; हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
15. Azad, Maulana Abul Kalam; India Wins Freedom, Orient Longman, Hyderabad, India.

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : DSE**

**व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित कराना
- हिंदी भाषा के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता विकसित करना
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक रूप से व्यावसायिक जगत से जोड़ना
- छात्रों को हिंदी से जुड़े रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी व्यावसायिक संप्रेषण की प्रक्रिया से अवगत होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होंगे
- हिंदी के वैश्विक और व्यावसायिक अंतःसंबंधों को समझेंगे
- व्यावसायिक लेखन की प्रक्रिया से परिचित होंगे

**इकाई 1: संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व** **(12 घंटे)**

- संप्रेषण की परिभाषा एवं स्वरूप
- संप्रेषण का महत्त्व
- भूमंडलीकरण के युग में संप्रेषण की महत्ता
- संप्रेषण की बाधाएं

**इकाई 2: व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा** **(9 घंटे)**

- व्यावसायिक संप्रेषण का स्वरूप
- व्यावसायिक संप्रेषण के प्रकार
- तकनीकी व्यावसायिक संप्रेषण

**इकाई 3: हिंदी जनसंचार और व्यावसायिक संप्रेषण** **(12 घंटे)**

- संप्रेषण के विविध माध्यम – परंपरागत और आधुनिक
- प्रिंट मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- हिंदी भाषा, सोशल मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण

**इकाई 4: हिंदी में व्यावसायिक लेखन** **(12 घंटे)**

- हिंदी में व्यावसायिक लेखन का महत्त्व
- हिंदी में व्यावसायिक लेखन के प्रकार (प्रतिवेदन लेखन, कार्यसूची, कार्यवृत्त का रूप निर्माण)
- व्यावसायिक पत्र और ईमेल का प्रारूप निर्माण
- स्ववृत्त-निर्माण और उसके विविध स्वरूप

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. पाल एवं शर्मा, डॉ. हंसराज एवं डॉ. मंजुलता; व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. झालटे, डॉ. दंगल; प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय, कैलाशनाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. गोस्वामी, कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : DSE**

**हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी की प्रमुख संस्थाओं से परिचित कराना।
- हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका से अवगत कराना।
- संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि का विकास करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी हिंदी के विकास में विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के योगदान को समझ सकेंगे।
- प्रारंभिक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास में विभिन्न संथाओं और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

**इकाई 1 : हिंदी की आरंभिक संस्थाएँ** **(12 घंटे)**

- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
- दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

**इकाई 2 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी संस्थाएँ** **(12 घंटे)**

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज

**इकाई 3 : हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान** **(12 घंटे)**

- आरंभिक पत्र – उदन्त मार्तण्ड, बंगदूत, समाचार सुधा वर्षण
- साहित्यिक पत्रिकाएं – कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती
- हिंदी के विकास में प्रमुख पत्रकारों का योगदान – भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबू बालमुकुंद गुप्त।

**इकाई 4 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं** **(9 घंटे)**

- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाएं – धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान
- आपातकाल के दौर की पत्रकारिता और चुनौतियां
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएं

**सहायक ग्रंथों की सूची :**


1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. वैदिक, वेदप्रताप; हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
4. पांडेय, डॉ. पृथ्वीनाथ, पत्रकारिता : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, कुमुद; भूमंडलीकरण और मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester V : GE**
**लोकप्रिय हिंदी साहित्य**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE लोकप्रिय हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- लोकप्रिय संस्कृति की समझ विकसित करना।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य का परिचय देना।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा का ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम-अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य से परिचित होंगे।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 : लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य** **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय संस्कृति : अवधारणा और स्वरूप
- लोकप्रिय संस्कृति और कला के विविध आयाम
- लोकप्रिय संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य

**इकाई 2 : लोकप्रिय साहित्य** **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- वैश्वीकृत दुनिया और हिंदी का लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक।

**इकाई 3 : लोकप्रिय कविता** **(9 घंटे)**

- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला (भाग 1)
- कवि प्रदीप – दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
- शैलेंद्र – दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
- गोपालदास नीरज – कारवाँ गुज़र गया

**इकाई 4 : लोकप्रिय कथा साहित्य** **(12 घंटे)**

- चंद्रकांता – देवकी नंदन खत्री
- गुप्त कथा – गोपाल राम गहमरी

## सहायक ग्रंथों की सूची:


**1.** पचौरी, सुधीश; पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज।
**2.** रंजन, प्रभात; पॉपुलर हिंदी लुगदी हिंदी : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य, जानकीपुल प्रकाशन, दिल्ली।
**3.** कृष्ण, संजय (संपादक); गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
**4.** शुक्ल, वागीश; चंद्रकांता (संतति) का तिलिस्म, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
**5.** सक्सेना, प्रदीप; तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद चरित्र, शिल्पायन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester V : GE**

**प्रवासी हिंदी साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (If any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE प्रवासी हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th Pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- ➢ विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- ➢ विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- ➢ हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ➢ विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- ➢ प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- ➢ प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

**इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय** **(12 घंटे)**

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

**इकाई 2 : प्रवासी कविताएं** **(12 घंटे)**

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

**इकाई 3 : प्रवासी कहानियां** **(12 घंटे)**

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

**इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास** **(9 घंटे)**

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.

**DEPARTMENT OF HINDI**

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSC-16**
**हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी की भाषिक संरचना से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- हिंदी भाषा के ऐतिहासिक क्रम से परिचित होंगे।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : हिंदी भाषा का उद्भव और विकास** **(9 घंटे)**

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्य भाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी
- हिंदी भाषा की विकास यात्रा

**इकाई 2 : हिंदी भाषा का स्वरूप** **(12 घंटे)**

- बोली और भाषा
- हिंदी की बोलियां
- हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र : स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

**इकाई 3 : हिंदी भाषा की विविध भूमिकाएं (12 घंटे)**

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- ज्ञान-विज्ञान की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

**इकाई 4 : हिंदी भाषा का नवीन स्वरूप (12 घंटे)**

- प्रिंट मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भाषा
- सोशल मीडिया की भाषा
- सिनेमा की भाषा

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, रेख्ता प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रविंद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. टंडन, डॉ. प्रेम नारायण; भाषा अध्ययन के आधार, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
5. तिवारी, डॉ. उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्गम और विकास।
6. शर्मा, विकास; भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विविध भूमिकाएं, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSC-17**
**अस्मितामूलक हिंदी साहित्य**
**(दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 17 अस्मितमूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श) | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम  का उद्देश्य (Course Objective):**

- अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- अस्मिता मूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

**इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी (9 घंटे)**

- दलित विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- स्त्री विमर्श: भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास

**इकाई 2 : विमर्शमूलक कथा-साहित्य (12 घंटे)**

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मन्नू भण्डारी – यही सच है
- एलिस एक्का – धरती लहलहायेगी... झालो नाचेगी... गाएगी

**इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता (12 घंटे)**

- दलित कविता : माताप्रसाद – सोनवा का पिंजरा
- आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल – कहां हो तुम माया (‘नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द’ से)
- स्त्री कविता : नीलेश रघुवंशी – पानदान

**इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
- डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSC-18**
**कथेतर गद्य साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC – 18 कथेतर गद्य साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के अंतर्गत कथेतर गद्य साहित्य की स्थिति को समझाना।
- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के महत्त्व से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में कथेतर गद्य साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी।
- कथेतर गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित होंगे।
- कथेतर गद्य साहित्य के लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

**इकाई 1 : कथेतर गद्य साहित्य का परिचय** **(9 घंटे)**

- कथेतर गद्य साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
- कथेतर गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
- कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य का अंतर्संबंध

**इकाई 2 : कथेतर गद्य साहित्य के प्रमुख प्रकार** **(12 घंटे)**

- जीवनी, डायरी
- संस्मरण, रेखाचित्र
- रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य

**इकाई 3 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 1** **(12 घंटे)**

- आवारा मसीहा (छात्र संस्करण के प्रारंभिक 100 पृष्ठ) (जीवनी) – विष्णु प्रभाकर

- दद्दा – मैथिलीशरण गुप्त, पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा
- स्मृतिलेखा (रेखाचित्र) – अज्ञेय

**इकाई 4 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 2** **(12 घंटे)**

- अकेला मेला (डायरी) – रमेशचंद्र शाह
- बिदापत-नाच (रिपोर्ताज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- निराला के पत्र (पत्र-साहित्य) – निराला रचनावली (खंड 8)

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. नगेंद्र एवं हरदयाल, डॉ. एवं डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. चतुर्वेदी, डॉ. राम स्वरूप; गद्य की सत्ता, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; नया साहित्य – नए प्रश्न, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी।
7. शर्मा, डॉ. रामविलास; निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, नलिन विलोचन (संपादक); हिंदी गद्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**

**Semester VI : DSE**

**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE हिंदी भषा का व्यावहारिक व्याकरण | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- ➢ भाषा के स्वरूप और महत्त्व का परिचय कराना।
- ➢ भाषा के व्याकरणिक रूप का परिचय देना।
- ➢ हिंदी भाषा के विकारी रूपों की रचना को सिखाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- ➢ भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा।
- ➢ हिंदी की ध्वनि व्यवस्था का परिचय प्राप्त होगा।
- ➢ हिंदी की वाक्य रचना, अर्थ रचना का परिचय प्राप्त होगा।

**इकाई 1 : भाषा और व्याकरण** **(9 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण: स्वर, व्यंजन और मात्राएं

**इकाई 2 : शब्द एवं पद विचार** **(12 घंटे)**

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद : रचना एवं स्रोत के आधार पर
- शब्द-निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- विकारी शब्दों की रूप-रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

**इकाई 3: वाक्य-विचार** **(12 घंटे)**

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद : रचना एवं अर्थ के आधार पर
- वाक्य संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न

**इकाई 4: अर्थ-विचार** **(12 घंटे)**

- अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास : हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
2. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरू, कामताप्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्यसरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
6. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
7. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**भाषा दक्षता और तकनीक**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE भाषा दक्षता और तकनीक | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- भाषा दक्षता के महत्त्व, प्रयोग विस्तार, शैली, भाषिक संस्कृति और भाषिक कौशलों की समझ विकसित करना।
- तकनीक के साथ भाषा के संबंध की समझ विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, समीक्षा आदि पहलुओं को सीख सकेंगे।
- भाषा और तकनीक के सह-संबंध के माध्यम से भाषा के व्यावहारिक रूप को जान सकेंगे।

**इकाई 1 : भाषा दक्षता का स्वरूप एवं महत्त्व** **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता : तात्पर्य और महत्त्व
- भाषा दक्षता : श्रवण एवं वाचन
- भाषा दक्षता : पठन और लेखन

**इकाई 2 : भाषा व्यवहार एवं प्रक्रिया** **(12 घंटे)**

- भाषा व्यवहार : भाषा प्रयोग एवं शैली का महत्त्व
- भाषा को प्रभावित करने वाले कारक : आयु, वर्ग, लिंग, व्यवसाय, शिक्षा और संस्कृति
- भाषा दक्षता में श्रवण, उच्चारण, शुद्ध पठन और रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया

**इकाई 3 : भाषा दक्षता और तकनीक** **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता में यूनिकोड का महत्त्व
- गूगल वॉयस सर्च और हिंदी दक्षता
- डिजिटल हिंदी और तकनीक का सह-संबंध

**इकाई 4 : भाषा दक्षता : व्यावहारिक पक्ष** **((9 घंटे)**

- वाचन : भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, किसी साहित्यिक कृति का पाठ
- लेखन : संक्षेपण,पल्लवन, समीक्षा, रिपोर्ट

**संदर्भ ग्रंथों की सूची:**


1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, सृजनात्मक साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, दिलीप; भाषा,साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, सावित्री; हिंदी शिक्षण, गया प्रसाद एंड संस, आगरा।
4. प्रकाश, डॉ. ओम; व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. मुकुल, डॉ. मंजु; संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, शिवमूर्ति; हिंदी भाषा शिक्षण, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद।
7. स्वयं अधिगम सामग्री, हिंदी शिक्षण प्रविधि, इग्नू, नई दिल्ली।
8. कुमार, निरंजन; माध्यमिक विद्यालयों मे हिंदी शिक्षण, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. गुप्ता, मनोरमा; भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

**इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व (12 घंटे)**

- गांधी-दर्शन की अवधारणा
- गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा
- विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

**इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी (9 घंटे)**

- गांधी का गीता भाष्य
- गांधी और रामराज
- गांधी और सनातन संस्कृति

**इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी** **( (12 घंटे)**

- जय गांधी – सोहनलाल द्विवेदी
- महात्मा जी के प्रति – सुमित्रानंदन पंत
- बापू (चार प्रारंभिक अंश) – रामधारी सिंह दिनकर
- तुम कागज पर लिखते हो – भवानी प्रसाद मिश्र

**इकाई 4 : हिंदी गद्य में गांधी** **(12 घंटे)**

- पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ) – गिरिराज किशोर
- दांडी यात्रा (पृष्ठ संख्या 30-67) – मधुकर उपाध्याय
- भारत का स्वराज और महात्मा गांधी (उपसंहार) – बनवारी
- रचनाकार गांधी – विद्यानिवास मिश्र

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. गांधी, महात्मा; हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा; सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण; गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी.; गांधी : जीवन और दर्शन, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. गिरि, राजीव रंजन; गांधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य, नंद किशोर; अहिंसा की संस्कृति, राजकलम प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. धर्माधिकारी, दादा; गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
8. मिश्र, श्री प्रकाश; अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. मिश्र, दयानिधि; गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
10. पारेख, भीखू; गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**

**Semester VI : DSE**

**शोध प्रविधि**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSE शोध-प्रविधि | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- साहित्यिक शोध से परिचित कराना।
- शोध के नए आयामों का ज्ञान देना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के ज्ञान का विस्तार होगा।
- शोध के प्रतिमानों से परिचित होकर शोध-कार्य कर सकेंगे।

**इकाई 1 : शोध की अवधारणा** **(9 घंटे)**

- शोध : अवधारणा और स्वरूप
- शोध का क्षेत्र एवं शोध-प्रविधि
- शोध की प्रक्रिया

**इकाई 2 : प्रमुख शोध पद्धतियाँ** **(12 घंटे)**

- भाषा-वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक शोध, पाठालोचन

**इकाई 3 : शोध प्रक्रिया के विविध चरण** **(12 घंटे)**

- विषय चयन
- सामग्री संकलन
- तथ्य विश्लेषण
- रूपरेखा निर्माण
- शोध प्रबंध लेखन

**इकाई 4 : शोध संबंधित अन्य पक्ष** **(12 घंटे)**

- शोध संबंधी समस्याएं
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- शोध के साधन और उपकरण
- संदर्भ सूची निर्माण

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


**1.** सिन्हा, सावित्री; अनुसंधान का स्वरूप।
**2.** सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र; अनुसंधान की प्रक्रिया।
**3.** शर्मा, विनयमोहन; शोध प्रविधि, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
**4.** सिंह, सरनाम; शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली।
**5.** अरोड़ा, हरीश; शोध प्रविधि और प्रक्रिया, के. के. पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
**6.** त्रिपाठी, विनायक; शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
**7.** पांडेय एवं पांडेय, गणेश एवं अरुण; राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
**8.** गणेशन, एस. एन.; अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : GE**
**भारतीय ज्ञान परंपरा**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE भारतीय ज्ञान परंपरा | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।
- भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

**इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा** **(12 घंटे)**

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

**इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत : संक्षिप्त परिचय** **(12 घंटे)**

- वेद  और उपनिषद
- पुराण और इतिहास
- धर्म-शास्त्र और स्मृति ग्रंथ
- रामायण, महाभारत और रामचरित मानस

**इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन** **(9 घंटे)**

- प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ

- पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा
- प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

**इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य-दर्शन** **(12 घंटे)**

- नव्य-दर्शन और आधुनिक भारत
- स्वामी विवेकानंद नव्य-वेदांत दर्शन और भारत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
- श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत-बोध

**सहायक ग्रंथों की सूची:**

➢ शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

➢ अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

➢ द्विवेदी, संजय; भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।

➢ Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R.N.; Introduction to Indian Knowledge System : Concept and Applications, PHI Learning Private Limited

➢ गुप्ता, बजरंग लाल; पं. दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।

➢ दीक्षित, हृदयनारायण; पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज।

➢ शेखर, हिमांशु; स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।

➢ चौहान, लालबहादुर सिंह; योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

**BA (Hons.) Hindi**
**Semester VI : GE**

**This paper has been replaced with GE paper - Hindi Geetikavya**

**The Notification of the syllabus is available at page 1 to 4**

## न्यू मीडिया

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| GE न्यू मीडिया | 4 | 3 | 1 | 0 | Class 12th pass with Hindi | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

VII. विद्यार्थियों को नए मीडिया माध्यमों से परिचित कराना।

VIII. नए मीडिया में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।

IX. जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

VIII. विद्यार्थी नए मीडिया की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।

IX. विद्यार्थी नए मीडिया माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।

X. फेक न्यूज से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

**इकाई 1 : न्यू मीडिया : स्वरूप एवं अवधारणा** **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया : परिभाषा और स्वरूप
- न्यू मीडिया के विविध रूप
- न्यू मीडिया का प्रसार एवं महत्त्व
- न्यू मीडिया बनाम पारंपरिक मीडिया

**इकाई 2 : न्यू मीडिया : नए रूप** **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया तथा सूचना तकनीक
- नेटवर्किंग साइट्स तथा एप्स
- सोशल मीडिया
- डिजिटल आर्काइव

**इकाई 3 : न्यू मीडिया: तकनीकी पक्ष** **(9 घंटे)**

- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- वेबसाइट

- पॉडकास्ट

**इकाई 4 : न्यू मीडिया: कानूनी पक्ष** **(12 घंटे)**

- पाइरेसी तथा कॉपीराइट अधिकार
- न्यू मीडिया माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- साइबर कानून : सामान्य परिचय
- कृत्रिम मेधा

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. कुमार, सुरेश; इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; वर्चुअल रियलिटी, साइबर संस्कृति और इंटरनेट, एकेडेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
4. लता, डॉ. स्नेह; सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. अरोड़ा, डॉ. हरीश (संपादक); पत्रकारिता का बदलता स्वरूप और न्यू मीडिया, साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली।
6. हरिमोहन, प्रो.; नए माध्यम, नई हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
7. सुमन, स्वर्ण; सोशल मीडिया : संपर्क क्रांति का कल आज और कल, हार्पर, दिल्ली।
8. नंदा, वर्तिका; मीडिया और बाज़ार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**

**Semester VI : DSC-11**

**साहित्य चिंतन**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-11 साहित्य चिंतन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

**इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

**इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

**इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1** **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

**इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2** **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Prog.) with Hindi as MAJOR**
**Semester VI : DSC-12**
**विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-12 विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):**

- विद्यार्थियों को अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

**इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी** **(12 घंटे)**

- विमर्श की सामाजिक अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप विकास

**इकाई 2 : विमर्शमूलक कहानी** **(12 घंटे)**

- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भण्डारी
- बाबा, कौए और काला धुआँ – रणेंद्र

**इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता** **(12 घंटे)**

- दलित कविता : अछूत की शिकायत – हीरा डोम, ठाकुर का कुआं – ओम प्रकाश बाल्मीकी
- आदिवासी कविता : गुलदस्ते की जगह बेसलरी की बोतलें, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल
- स्त्री कविता : पानदान, हंडा – नीलेश रघुवंशी

**इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं** **(9 घंटे)**

- घर-बाहर – महादेवी वर्मा
- पिजरे की मैना – चंद्रकिरण सोनरेक्सा (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


**16.** अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
**17.** वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
**18.** गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
**19.** टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
**20.** नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
**21.** मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
**22.** नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
**23.** खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
**24.** बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
**25.** वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
**26.** देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
**27.** सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
**28.** सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
**29.** मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
**30.** बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR**

**Semester VI : DSC-11**

**साहित्य चिंतन**

| Course Code & title | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| DSC-11 साहित्य चिंतन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

**इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

**इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

**इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1** **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

**इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2** **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


**1.** अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**2.** सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

**3.** सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

**4.** शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

**5.** वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।

**6.** अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : DSE**
**हिंदी नवजागरण**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE हिंदी नवजागरण | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को नवजागरण संबंधी विभिन्न मान्यताओं से परिचित कराना।
- नवजागरणकालीन साहित्य का जानकारी देना।
- नवजागरण संबंधी चिंतन परंपरा से जुड़े पक्षों का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी नवजागरण संबंधी धारणाओं से परिचित होंगे।
- नवजागरणकालीन साहित्यिक गतिविधियों को जानेंगे।
- नवजागरणकालीन चिंतकों के सरोकारों और गतिविधियों से परिचित होंगे।

**इकाई 1 : पुनर्जागरण : अवधारणा एवं महत्त्व** **(12 घंटे)**

- पुनरुत्थान एवं पुनर्जागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण व समाज सुधार
- पुनर्जागरण व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन
- हिंदी पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि

**इकाई 2 : नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाएं** **(12 घंटे)**

- ब्रह्म समाज
- प्रार्थना समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन

**इकाई 3 : नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता** **(12 घंटे)**

- कविवचन सुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- आनंद कादंबिनी – बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
- सरस्वती – महावीर प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 4 : हिंदी नवजागरण से संबंधित चयनित पाठ** **(9 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट
- भारत दुर्दशा – प्रताप नारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भट्ट, बालकृष्ण; निबंध संग्रह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास शर्मा; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. चौहान, शिवदान सिंह; हिंदी साहित्य का अस्सी बरस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दयानंद, स्वामी; सत्यार्थ प्रकाश, किरण प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भाषा, साहित्य और संस्कृति, ओरियंट ब्लैक स्वान, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester VI : DSE**

**हिंदी स्त्री-लेखन**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/Practice | | |
| DSE हिंदी स्त्री-लेखन | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी स्त्री-लेखन विभिन्न पाठों एवं रचनाकारों से परिचित कराना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी स्त्री-लेखन की गंभीरता को समझेंगें।
- समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक बनेगें।
- स्त्री-लेखन से संदर्भित प्रश्नों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

**इकाई 1 : हिंदी स्त्री-लेखन : सामान्य परिचय** **(12 घंटे)**

- स्त्री-लेखन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी स्त्री-लेखन का प्रारंभ और विकास

**इकाई 2 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कविता** **(9 घंटे)**

- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- नाम और पता – स्नेहमयी चौधरी
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल

**इकाई 3 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कथा साहित्य** **(12 घंटे)**

- दुलाई वाली – राजेंद्र बाला घोष

- स्त्री सुबोधीनी – मन्नू भंडारी
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- ना ज़मी अपनी ना फलक अपना – मालती जोशी

**इकाई 4 : हिंदी स्त्री-लेखन : अन्य गद्य विधाएं** **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा : जीने की कला
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में (अंश – बेटी की शादी)
- कृष्णा सोबती : बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख'
- जूते चिढ़ गए हैं : सूर्यबाला

**सहायक ग्रंथों की सूची :**


1. सदायत, चंदा (संपादक); सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
2. भंडारी, मन्नू; त्रिशंकु (कहानी संग्रह), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन।
4. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. जोशी, मालती; ना ज़मी अपनी ना फलक अपना (कहानी संग्रह), साक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजे, सुमन; हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. माधव, नीरजा, हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास, सामायिक बुक्स, दिल्ली।
8. मालती, के. एम.; स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, भवदेव; बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester VI : DSE**

**भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य**

| Course Code & Tittle | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति-आंदोलन से परिचित होंगे।
- भक्ति-आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

**इकाई 1 : भक्ति-आंदोलन : उद्भव और विकास** **(9 घंटे)**

- भक्ति का स्वरूप
- भक्ति-आंदोलन की पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन उद्भव संबंधी अवधारणाएँ
- भक्ति-आंदोलन की विकास-यात्रा

**इकाई 2 : भक्ति-आंदोलन का दार्शनिक पक्ष** **(12 घंटे)**

- उपनिषद्
- श्रीमद्भागवत पुराण और भगवद्गीता
- वेदांत दर्शन

- प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय – शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

**इकाई 3 : भक्ति-आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा** **(12 घंटे)**

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
- सूफ़ी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

**इकाई 4 : भक्ति-आंदोलन और सगुण काव्यधारा** **(12 घंटे)**

- सगुण भक्ति का स्वरूप
- राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)
- कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य कोश (भाग1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक); कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. तुलसीदास, गोस्वामी; दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर।

**BA (Prog.) Hindi**
**Semester VI : GE**
**हिंदी बाल साहित्य**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE हिंदी बाल साहित्य | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को बाल साहित्य से परिचित कराना।
- बाल साहित्यकारों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति का विश्लेषण करना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थियों में बाल साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- बाल साहित्य के लेखन और प्रकाशन की दिशा में काम होगा जिससे बाल साहित्य समृद्ध होगा।
- बाल साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे।

**इकाई 1 : बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप** **(12 घंटे)**

- बाल साहित्य की अवधारणा एवं परिभाषा
- बाल साहित्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
- बाल साहित्य लेखन की प्रक्रिया / प्रविधि
- बाल साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ

**इकाई 2 : प्रमुख बाल कविताएँ / गीत** **(12 घंटे)**

- उठो लाल अब आँखें खोलो – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- चाँद का कुर्ता – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- चंदा मामा आ – द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
- विश्वास – बाल कवि बैरागी

**इकाई 3 : प्रमुख बाल कथाएँ** **(12 घंटे)**

- अक्ल बड़ी या भैंस – अमृतलाल नागर
- दीप जले शंख बजे – जयप्रकाश भारती
- डाकू का बेटा – हरिकृष्ण देवसरे
- मंजिल – भगवती प्रसाद द्विवेदी

**इकाई 4 : बाल पत्रिकाएँ (सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ)** **(9 घंटे)**

- पराग
- साइकिल
- चंपक
- बालभारती

## सहायक ग्रंथों की सूची:


1. देवसरे, हरिकृष्ण (संपादक), भारतीय बाल साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ. सुरेंद्र नाथ; हिंदी बाल साहित्य : परंपरा, विकास एवं मूल्यांकन, कौशल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सेवक, निरंकार देव; बालगीत साहित्य : इतिहास और समीक्षा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
4. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत (संपादक); भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
5. पांडेय, अमिताभ; बाल काव्य के प्रमुख प्रणेता, शिल्पी प्रकाशन, लखनऊ।
6. भारती, जयप्रकाश; बाल पत्रकारिता : स्वर्गयुग की ओर, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।
7. शुक्ल एवं राष्ट्रबंधु, डॉ. त्रिभुवन नाथ एवं डॉ.; भारतीय बाल साहित्य की भूमिका, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. श्रीप्रसाद, डॉ.; हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मूर्ति, सुधा; श्रेष्ठ बाल कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. मनु, प्रकाश; हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियां और संभावनाएँ, कृतिका बुक्स, नई दिल्ली।

**BA (Prog.) Hindi**

**Semester VI : GE**

**हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility Criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध | 4 | 3 | 1 | 0 | 12th pass | — |

**पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):**

- विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य-बोध की परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक भारतीय मूल्य संपदा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्यों के महत्त्व को समझाना।

**पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):**

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय मूल्यों की जीवंत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्य-बोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में वर्णित भारतीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

**इकाई 1 : भारतीय मूल्य-बोध का स्वरूप (9 घंटे)**

- मूल्य-बोध की भारतीय अवधारणा
- सामाजिक मूल्य
- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्य
- पारिवारिक मूल्य

**इकाई 2 : हिंदी काव्य और भारतीय मूल्य-बोध (संक्षिप्त परिचय) (12 घंटे)**

- 'रामचरित मानस' में उद्घाटित भारतीय सांस्कृतिक मूल्य
  (केवट प्रसंग, भरत मिलाप प्रसंग, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद प्रसंगों के आधार पर)
- 'भारत भारती' और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्य

- ‘रश्मिरथी’ और भारतीय पारिवारिक और सामाजिक मूल्य

**इकाई 3 : हिंदी की प्रमुख कहानियों में वर्णित भारतीय मूल्य** **(12 घंटे)**

- आहुति – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत

**इकाई 4 : हिंदी के प्रमुख निबंधों में वर्णित भारतीय मूल्य** **(12 घंटे)**

- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- शिक्षा का उद्देश्य – डॉ. संपूर्णानंद
- रहिमन पानी राखिए – विद्यानिवास मिश्र

**सहायक ग्रंथों की सूची:**


1. भारती, डॉ. धर्मवीर; मानव-मूल्य और साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ।
2. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
4. वर्मा, सुरेंद्र; भारतीय जीवन मूल्य, पार्श्वनाथ विद्यापीठ ग्रंथमाला, वाराणसी।
5. गुप्ता, डॉ. बजरंग लाल; भारतीय सांस्कृतिक मूल्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. पांडेय, गोविंद चंद्र; मूल्य मीमांसा, राका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

## SEMESTER - 4

## बी.ए.ऑनर्सहिन्दीपत्रकारिताएवंजनसंचार

## Category I

**(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)**

# DSC 10 न्यूमीडिया(4)

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title& Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSC 10**<br>**न्यू मीडिया** | **4** | **3** | 0 | **1** | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. न्यूमीडियाकीअवधारणाएवंउसकेविभिन्नरूपोंकीजानकारीदेना।
2. इंटरनेटकेविविधप्रयोगोंसेपरिचितकराना।
3. सोशलमीडिया,डिजिटलीकरणकीप्रक्रियाकीजानकारीदेनाऔरभारतीयपरिप्रेक्ष्यमेंडिजिटलमीडियाकीजवाबदेहीकीआवश्यकतासे परिचित कराना।

### Learning Outcomes

1. छात्र सोशलमीडियाकेविविधस्वरूपोंऔरउनकेप्रयोगकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।
2. न्यूमीडिया लेखन के विविध रूपों में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. व्यवसायिकक्षेत्रमेंउपयोगीप्रशिक्षणमिलेगा।

**1.न्यूमीडियाकीविकासयात्रा: 10घंटे**

- न्यूमीडिया–अवधारणा और स्वरूप
- इंटरनेटकीविकासयात्रा,इंटरनेटकेविविधप्रयोग
- न्यूमीडियाऔरपारंपरिकमीडियामेंअंतर,सामाजिकपरिवर्तनकेउपकरणकेरूपमेंन्यूमीडियाकीभूमिका

**2. न्यूमीडियाकेविविधरूप 10घंटे**

- नईसंचारतकनीक औरडिजिटलमीडियाकास्वरूप
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्स,फेसबुक,टिविटर,यू-ट्यूब,इंस्टाग्राम
- ओटीटीप्लेटफॉर्म,वेबपोर्टल्स,ऑनलाइनगेमिंग,म्यूजिकस्ट्रीमिंग

**3. न्यूमीडियाऔरलेखन : 10घंटे**

- न्यूमीडियामेंलेखन –कंटेन्टउत्पादन,वेबसाइटलेखन,पॉडकास्टलेखनडिजिटलविज्ञापन-लेखन,न्यूज़पोर्टल्सलेखन,सोशलमीडियामैनेजमेंट
- न्यूमीडियाऔरभाषाशैली
- ऑनलाइनपत्रकारिता–ऑनलाइनपत्र-पत्रिकाएँ,ऑनलाइनन्यूज़वेबपोर्टल्स,मोबाइलपत्रकारिता,साइबरजर्नलिस्ट

**4. न्यूमीडिया प्रभावक्षेत्रऔरआचारसहिंता:15घंटे**

- न्यूमीडियाकासामाजिकराजनीतिकआर्थिकप्रभाव
- सोशल मीडिया मैनेजमेंट
- न्यूमीडिया–स्वनियमनऔरआचारसहिंता

**प्रायोगिककार्य 30घंटे**

- किसीऑनलाइनसमाचारपत्र–पत्रिकाकेलिएलेखयाफ़ीचरलिखना।
- इन्टरनेटकेविविधप्रयोगोंकोदर्शातेहुएपीपीटीनिर्माणकरना।
- न्यूज़पोर्टलकेलिएसमाचारलेखन
- वेबसाइट्सकेलिएकंटेंटलेखन

**संदर्भपुस्तकें :**


1. भारतमेंइलेक्ट्रोनिकएवंन्यूमीडिया–डॉराकेशरयालसमयसाक्ष्यप्रकाशन
2. न्यूमीडियाऔरबदलताभारत–प्रांजलधर,कृष्णकांत,भारतीयज्ञानपीठदिल्ली
3. इन्टरनेटजर्नलिज़्म साहिलप्रकाशन- विजयकुलश्रेष्ठ -,जयपुर
4. सोशलमीडियासेसाइबरअपराध–शिवराज,एमएचजैदी–आलियालॉएजेंसी,लखनऊ
5. सोशलमीडियाऔरसामाजिकसरोकार–कल्याणप्रसादवर्मा - साहिलप्रकाशन,जयपुर
6. ऑनलाइनमीडिया–सुरेशकुमार–पियरसनप्रकाशन,भारत

# DSC 11 टेलीविजन (4)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSC 11 टेलीविजन पत्रकारिता** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. टेलीविज़न सम्बन्धी तकनीक की जानकारी देना।
2. टेलीविज़न कार्यक्रमों की स्क्रिप्ट लेखन का कौशल विकसित करना।
3. टेलीविज़न समाचारों के संकलन और स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

### Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थीटेलीविज़नतकनीककीजानकारीप्राप्तकरेंगे।
2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण संबंधी दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. स्क्रिप्टलेखनमेंदक्षताप्राप्तकरसकेंगे।
4. मीडिया संस्थानों में रोज़गारकेअवसरप्राप्तकरसकेंगे।

**1. जनसंचार माध्यम के रूप में टेलीविजन 10घंटे**

- भारत में टेलीविजन की विकास यात्रा (दूरदर्शन)
- निजी टेलीविजन चैनलों का प्रारंभ एवं विकास
- टेलीविजन माध्यम : विभिन्न प्रवृत्तियां(ट्रेंड्स) एवं सामाजिक प्रभाव

**2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण एवं तकनीक 10घंटे**

- टेलीविजन कार्यक्रम के विभिन्न प्रकार – समाचार कार्यक्रम, समाचार आधारित कार्यक्रम,

साक्षात्कार, वृत्तचित्र/डॉक्यूमेंट्री, लघु फ़िल्म तथा टेलीफिल्म, धारावाहिक, टॉक/डिबेट शो, रियलिटी शो

- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरण – प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन
- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण – तकनीकी पक्ष, कैमरा संचालन, शॉट्स, एंगल, मूवमेंट्स,विभिन्न सॉफ्टवेयर्स

**3. टेलीविजन समाचार : संकलन एवं लेखन 10घंटे**

- टेलीविजन समाचार संकलन के विभिन्न चरण – समाचार स्रोत, फील्ड रिपोर्टिंग, लाइव रिपोर्टिंग
- टेलीविजन समाचार लेखन : एंकर रीड, पैकेज, वॉइस-ओवर, पीस टू कैमरा, वॉक-थ्रू, टिकर, स्क्रॉल, ब्रेकिंगन्यूज़
- टेलीविजन रिपोर्टिंग के आधारभूत सिद्धांत : अपराध, राजनीतिक, संसदीय मामले, खेल, एवं आर्थिक रिपोर्टिंग आदि

4. **टेलीविजन समाचार चैनल – संगठन एवं कार्यपद्धति 15घंटे**

- समाचार चैनल का संगठन एवं संरचना : संपादकीय, विज्ञापन, प्रशासन, न्यूज़रूम, तकनीकी, इंजीनियर, सुरक्षा
- टेलीविजन स्टूडियो संरचना : स्टूडियो फ़्लोर, एंकर, न्यूज़रूम, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम, सेंट्रल कंट्रोलरूम, ओबी वेन, लाइट, कैमरा कंट्रोल यूनिट, साउंड, मेकअप रूम, आदि
- समाचार न्यूज़रूम की संरचना : इनपुट, आउटपुट, असाइनमेंट डेस्क : कार्य एवं ज़िम्मेदारी, गेस्ट कॉर्डिनेशन

**प्रायोगिक कार्य :30घंटे**

- किन्हींदोराष्ट्रीयसमाचारचैनलोंकेसमाचारोंकातुलनात्मकअध्ययन ,तथ्यों) (भाषाएवंप्रस्तुतिकरणकीदृष्टिसे
- किसीसांस्कृतिकविषयपरटेलीविज़नधारावाहिककेलिए मिनटकादृश्यनिर्माण 5
- टेलीविज़नकेलिए मिनटकासमाचारबुलेटिनतैयारकरना 5
- टेलीविज़नस्टूडियोकाभ्रमणएवंकार्यरिपोर्टकीप्रस्तुति

**सहायक पुस्तकें :**

1. टेलीविज़न प्रोडक्शन – प्रो० देवव्रत सिंह,माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)

2. स्मार्ट रिपोर्टर – शैलेश कुमारअल्फा मीडिया ग्रुप, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
3. पत्रकारिता (जो मैंने देखा, जाना-समझा)संजय कुमार सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया – संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. पत्रकारिता के विविध रूप – डॉ० रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
6. मीडिया की भाषा लीला – रविकांत, लोकचेतना प्रकाशन
7. समाचार संपादन – कमल दीक्षित और महेश दर्पण, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)
8. भारतीय टेलीविज़न का इतिहास – डॉ० परमवीर सिंह- एड्यूक्रिएशन पब्लिशिंग

# DSC 12विकास पत्रकारिता (4)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC 12 विकास पत्रकारिता | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

1. समावेशी विकास से अवगत कराना
2. छात्रों को विकास के मुद्दों से परिचित कराना।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ प्रदान करना
4. ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसरोंकी जानकारी देना।

### Course Learning Outcomes

1. छात्र समावेशी विकास से अवगत होंगे।
2. छात्रों में विकास और आपदा सम्बंधित समाचार लेखन का कौशल विकसित होगा।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ विकसित होगी।
4. छात्रों को ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

**1. विकासपत्रकारिताएकपरिचय10घंटे**

- विकास की अवधारणा: अर्थ, स्वरूप और महत्व
- विकास के सिद्धांत और मॉडल
- मैकब्राइट कमीशन और मीडिया की भुमिका

**2. ग्रामीणविकासऔरक्षेत्रीयपत्रकारिता10घंटे**

- भारत का ग्रामीण परिदृश्य और क्षेत्रीय पत्रकारिता
- ग्रामीण विकास, सरकारी योजनाएं और स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका

- पंचायती राज व्यवस्था व ग्रामीण मुद्दों की रिपोर्टिंग और चुनौतियां

3. **स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण क्षेत्र की पत्रकारिता10घंटे**
   - स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र की पत्रकारिता और चुनौतियां
   - पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, आपदा प्रबंधन और मीडिया
   - असंगठित क्षेत्र की पत्रकारिता, समस्याएँ और चुनौतियाँ

**4.ग्रामीण प्रेस की आवश्यकता और चुनौतियां15घंटे**

- ग्रामीण और स्थानीय समाचार पत्र - पत्रिकाओं की स्थिति और समस्याएं
- सामुदायिक रेडियो, ग्रामीण मुद्दें(वंचित समुदाय, ग़रीबी कुपोषण, आदि)
- मुख्यधारा की मीडिया में क्षेत्रीय विकास संबंधी कवरेज

**प्रायोगिककार्य30घंटे**

- विकास संबंधित मुद्दों पर रिपोर्ट लेखन।
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित एक सप्ताह की ग्रामीण विकास संबंधी कवरेज का अध्ययन एवं उसकी रिपोर्टिंग।
- विकास संबंधित सरकारी नीतियों का अध्ययन करना एवं समीक्षात्मक लेख तैयार करना।
- पर्यावरण पर फील्ड विजिट और साक्षात्का करना।
- मुख्यधारा की मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया में वंचित समुदाय के मुद्दों पर समूह चर्चा
- ग्रामीण एवं विकास के मुद्दों से जुड़ी समस्याओं पर डाक्यूमेंट्री अथवा पीपीटी तैयार करना।

**सहायक पुस्तकें :**


1. भारतीयअर्थव्यवस्था, ईश्वरढींगरा, सुल्तानएंडसंस
2. मासकम्युनिकेशनइनजर्नलऑफनेशनलडेवलपमेंट, विश्वविधालयप्रकाशनवाराणसी
3. मासमीडियानेशनलडवलपमेंट,विल्बरश्रेम, स्टेनफोरयूनिवर्सिटीप्रकाशन
4. ग्रामीणविकासकीचुनौतियां, राजेंद्रआगाल, अक्सप्रकाशन,भोपाल
5. पत्रकारिताएवंविकाससंचार, अनिलकुमारउपाध्याय, भारतीप्रकाशन, वाराणसीपत्रकारिता एवं विकास संचार, प्रो अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, वाराणसी
6. कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता, डॉ अर्जुन तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7. ग्रामीण पत्रकारिता चुनौतियां और संभावनाएं, सुशील भारती, वाणी प्रकाशन
8. आपदा प्रबंधन, शिव गोपाल मिश्र, प्रभात प्रकाशन

## Pool of DSEs

# DSE 2 नागरिक पत्रकारिता(क)

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE 2 नागरिक पत्रकारिता (क)** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. नागरिक पत्रकारिता के स्वरूप एवं मुद्दों को समझाना।
2. नागरिक हितों के संरक्षण में पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. नागरिक पत्रकारिता की नैतिकता का ज्ञान कराना।

### Course Learning Outcomes

1. छात्र नागरिक पत्रकारिता के महत्व से अवगत होंगे।
2. लोकतंत्र, नागरिक हित एवं पत्रकारिता के आपसी संबंधों की जानकारी प्राप्त होगी।
3. नागरिक पत्रकारिता की नैतिकता के मुद्दों को जान पायेंगे।

**1.नागरिक पत्रकारिता : परिचय एवं सिद्धान्त 10घंटे**

- नागरिक पत्रकारिता : अर्थ और महत्त्व
- नागरिक पत्रकारिता के तत्व और सिद्धांत
- नागरिक पत्रकारिता एवं सामाजिक सक्रियता

**2.नागरिक पत्रकारिता –प्लेटफ़ार्म एवं टूल 10घंटे**

- नागरिक पत्रकारिता के विविध उपकरण
- नागरिक पत्रकारिता की चुनौतियाँ
- नागरिक पत्रकारिता के मुद्दें

**3.नागरिक पत्रकारिता एवं नैतिकता 10घंटे**

- नागरिक पत्रकारिता की आचार संहिता की आवश्यकता
- नैतिकता एवं नागरिक पत्रकारिता
- प्रमुख नागरिक आंदोलन एवं नागरिक पत्रकारिता

**4.नागरिक पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया 15घंटे**

- सोशल मीडिया : क्षेत्रीय मुद्दों की अभिव्यक्ति
- नागरिक पत्रकारिता में फ़ेक न्यूज़ के ख़तरे
- नागरिक पत्रकारिता की संभावनाएँ

**प्रायोगिक कार्य : 30घंटे**

- नागरिक हितों से जुड़ी स्टोरी की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
- जन आंदोलन में नागरिक पत्रकारिता की भूमिका का विश्लेषण करना।
- सोशल मीडिया में आने वाले नागरिक मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार करना।
- सोशल मीडिया ट्रेंड में जनहितों के मुद्दों का लोगों पर प्रभाव का विश्लेषण करना।

**सहायक पुस्तकें :**

1. नागरिक पत्रकारिता समस्या एवं समाधान, राकेश नेम एवं प्रियंका वाधवा, अरिहंत प्रकाशन, दिल्ली
2. नागरिक पत्रकारिता, पवन मलिक, हिन्दी बुक सेंटर
3. ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता, डॉ रेणुका नय्यर, हरियाणा साहित्य अकादमी
4. आर टी आई पत्रकारिता (खबर, पड़ताल, असर) श्यामलाल यादव,
5. एथिक्स इन सिटीजन जर्नलिज्म, के डी मिश्र एवं एस कृष्णा स्वामी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस

# DSE 2जीवनशैली पत्रकारिता (ख)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE 2 जीवनशैली पत्रकारिता (ख)** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जीवनशैलीकेविविधआयामोंसेपरिचितकराना।
2. बदलतेवैश्विकदौरमेंभारतीयजीवनशैलीकामहत्त्व बताना।
3. स्वस्थजीवनशैलीऔरपत्रकारिताकेपरिपेक्षयमेंपत्रकारिताकीभूमिकासेअवगतकराना।
4. जीवनशैलीपत्रकारितामेंकौशलविकसितकरना।

### Course Learning Outcomes

1. छात्रजीवनशैलीकेविविधआयामोंसेपरिचितहोंगे
2. बदलतेवैश्विकदौरमेंभारतीयजीवनशैलीकेप्रतिछात्रोंकारुझानबढ़ेगा
3. स्वस्थजीवनशैलीकेपरिप्रेक्ष्यमेंपत्रकारिताकीभूमिकासेअवगतहोंगे।
4. जीवनशैलीपत्रकारिता में रोजगारकी संभावनाओं से परिचितहोंगे।

**1.जीवनशैली :अवधारणाएवंआयाम 10घंटे**

- जीवनशैली :सामान्यपरिचय औरमहत्त्व
- पुरातनऔरआधुनिकजीवनशैलीमेंअंतर
- आधुनिकजीवनशैली : भारतीय समाज औरसंस्कृति पर प्रभाव

**2.जीवन शैली पत्रकारिता : लक्ष्य एवं विविध रूप**

- जीवन शैली पत्रकारिता का लक्ष्य
- जीवन शैली पत्रकारिता के विविध रूप ,फैशन पत्रकारिता ,पर्यटन पत्रकारिता ,खाद्य पत्रकारिता ,उपभोक्ता पत्रकारिता आदि
- विज्ञापन और जीवन शैली का अंतरसंबंध

**3. जनसंचार के विविध माध्यम और जीवन शैली पत्रकारिता 10 घंटे**

- प्रिंटमाध्यमोंमेंजीवन-शैलीपत्रकारिता का स्वरूप
- टेलेविज़नमाध्यममें जीवन शैली पत्रकारिता
- डीजिटल मीडिया में जीवन शैली पत्रकारिता

**.4जीवनशैलीपत्रकारिताकेसामाजिकसांस्कृतिकप्रभाव 15घंटे**

- ग्लोबलमीडियाकाभारतीयजीवन-शैलीएवंसंस्कृतिपर
- जीवन-शैलीपत्रकारिताकीचुनौतियाँएवंप्रबंधन
- जीवन-शैलीपत्रकारिता की प्रासंगिकताऔरसंभावनाएं

**व्यावहारिककार्य30घंटे**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए जीवनशैलीआधारितसामग्री का निर्माण
- जीवनशैलीसंबंधीविज्ञापनोंएवंफिल्मोंकाअध्ययनऔरसामग्री निर्माण
- पत्र-पत्रिकाओंमेंप्रकाशितजीवनशैलीसम्बन्धीसामग्रीपरसामूहिकचर्चा
- पर्यावरण, फैशन, पर्यटन ,ग्लैमर, धर्मसेजुड़ेप्रमुखव्यक्तित्वसेभेंटवार्ताएवंसाक्षात्कार

**सहायक पुस्तकें :**

1. पत्रकारिता की विभिन्न विधाएँ, निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
2. भारतीय जीवन मूल्य, कामिनी कामायनी, ज्ञान गंगा, दिल्ली
3. आध्यात्म और जीवन शैली, पवित्र कुमार शर्मा, शिलालेख प्रकाशन, दिल्ली
4. जीवन-शैली स्वस्थ जीवन का आधार – डॉ फ़णि भूषण दास, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, दिल्ली

## DSE 2पाड्कास्ट निर्माण (ग)

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE 2पॉडकास्ट निर्माण (ग)** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. रेडियो संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. पॉडकास्ट के सिद्धांत और उसकी तकनीक से अवगत कराना।
3. पॉडकास्ट के विविध रूपों की जानकारी देना।

### Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी पॉडकास्ट की तकनीक, और निर्माण प्रक्रिया सीखेंगे।
2. विविधऑडियो-वीडियो पॉडकास्ट बनाकर पॉडकास्ट प्लेटफ़ॉर्म पर अपलोड करना जानेगें।
3. पॉडकास्ट के क्षेत्र में रोज़गारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

**1.पॉडकास्ट : एक परिचय 10घंटे**

- पॉडकास्ट: परिभाषा,स्वरूप औरविकास
- पॉडकास्टकेक्षेत्रऔरप्रकार
- हिन्दीऔरविदेशीपॉडकास्टप्लेटफार्मकापरिचय

**2.हिन्दीपॉडकास्टकासामाजिक,आर्थिकऔरसांस्कृतिकपरिदृश्य10घंटे**

- समाचार, सूचना, शिक्षाऔरमनोरंजनऔरपॉडकास्ट
- साहित्यिकसांस्कृतिकसंचारऔरपॉडकास्ट
- जीवनशैलीकेविविधरूपऔरपॉडकास्ट

**3. हिन्दीपॉडकास्टनिर्माणप्रक्रिया10घंटे**

- पॉडकास्ट :योजनाऔरविषयकाचुनाव

- पॉडकास्ट: इंट्रोऔर आउटरोतथाबैकग्राउंडम्युजिक
- पॉडकास्ट : भाषा एवं उपकरण

**4. पॉडकास्ट पोस्ट प्रोडक्शन 15घंटे**

- पॉडकास्ट :रिकॉर्डिंग, पॉडकास्टहोस्टिंग/अपलोडिंग
- पॉडकास्ट:प्लेटफॉर्मऔरउनकीआचारसंहिता,
- पॉडकास्टविज्ञापन,हिन्दीपॉडकास्टमोनिटाइजेशन,

**व्यावहारिक कार्य 30घंटे**

- किसीसामाजिकविषयपरऑडियोपॉडकास्टकीपटकथातैयारकरना ।
- किसीसमसामयिकमुद्देपरपॉडकास्टबनाना ।
- महत्वपूर्णसमाचारपरवीडियोपॉडकास्टबनाना ।
- समाचारबुलेटिनकावीडियोपॉडकास्टतैयारकरना

## Essential/recommended readings


1. मीडिया व्यवसाय कोहली वी और खांडेकर ,सेज प्रकाशन ,दिल्ली,2013
2. पी फॉर पॉडकास्ट ,भार्गवी स्वामी,द राइट ऑर्डर प्रकाशन,बैंगलुरु,2021
3. पॉडकास्ट कैसे शुरू करें,वर्मा नीतीश,2021

# GE (क)पटकथा लेखन(4)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (क) पटकथालेखन | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- विधाकेरूपमेंपटकथाकीजानकारीप्रदानकरना।
- पटकथालेखनकाव्यावहारिकज्ञानप्रदानकरना।
- पटकथालेखनकेअनेकआयामोंऔरशब्दावलियोंकीजानकारीदेना।
- पटकथालेखनकीतकनीकऔरव्यावसायिक संभावनाओंसेपरिचितकराना ।

## Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी पटकथा और सामान्य कथा के अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- विधा के रूप में पटकथा से संपूर्णता में परिचित होंगे।
- पटकथा लेखन में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा के विविध आयामों की व्यावसायिक संभावनाओं का उपयोग करना सीख सकेंगे।

### 1. पटकथापरिचय10घंटे

- विधाकेरूपमेंपटकथा, पटकथाऔरकहानी, नाटकऔरपटकथा
- पटकथाकेतत्व :प्लॉट, घटनाएं, दृश्य, द्वंद, स्वरूपएवंगुण
- पटकथाकेप्रकार :फीचरफिल्म, वृत्तचित्र, धारावाहिक, वीडियोगेम, एनिमेशन

### 2. पटकथालेखन: सिद्धांतएवंव्यवहार 10घंटे

- पटकथालेखनकेविविधसिद्धांत: तीनअंकीयसंरचना, नायकीययात्रा, सिडफ़ील्डप्रतिमान, सीक्वेंसअप्रोच, असंबद्धकथा (नॉनलीनियरकथानक)
- पटकथालेखनकीतकनीकऔरप्रक्रिया :कथा-पटकथा, दृश्ययोजना, चरित्रनिर्माण, कथाविभाजन (प्रस्तावना-संघर्ष-समाधान)

- पटकथाकीभाषा-शैली: शब्द, मौन, ध्वनि, आइकॉन, सिंबल, मेटाफ़र

3.साहित्य, संस्कृतिऔरतकनीक **10घंटे**

- साहित्यिककृतियाँएवंपटकथालेखन: चयनकाआधार, रूपान्तरण, मौलिकताऔरप्रयोग
- पौराणिकआख्यानऔरपटकथालेखन: कल्पनाकेलिएअवकाश, लोकमान्यता, कलात्मकछूटकासवाल, विचारधाराओंकाप्रभाव
- पटकथालेखनमेंकैमरा, प्रकाशऔरध्वनि, वीएफएक्सतकनीक, प्रमुखसॉफ्टवेयर

4.पटकथालेखन: शब्दावलीऔरउपादान **15घंटे**

- पटकथालेखन: शॉट-सीन-सीक्वेंस, दर्शकोंकीसमझ, दृश्यसंबंधीनिर्देश, दृश्यात्मकता, संवाद, नाटकीयता, ऑडियो-विज़ुअलइमेजिनेशन, उपादान: (मोंताज़, सीरीजऑफ़शॉट्स)
- हिंदीकेप्रमुखपटकथालेखकएवंसाहित्यिककृतियोंकाफिल्मांतरण
- पटकथालेखनकीचुनौतियां: व्यावसायिकता, दबावसमूह, आचारसंहिता

**प्रायोगिककार्य : 30घंटे**

- हिंदीकेप्रमुखपटकथाकारोंऔरउनकेद्वारालिखीपटकथाओंकाअध्ययनकररिपोर्टप्रस्तुति
- हिंदीउपन्यासअथवाकिसीहिंदीकहानीपरबनीफिल्मकीपटकथापरसमूहचर्चा
- पटकथाकेव्यावहारिकलेखनपरपरियोजनाकार्य
- किसीपटकथालेखककासाक्षात्कार
- किसीसाहित्यिककृतिकापटकथामेंरूपांतरण

**सहायकपुस्तकें :**

1. भारतीयसिनेसिद्धांत, अनुपमओझा, राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली
2. पटकथालेखन :एकपरिचय, मनोहरश्यामजोशी, राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
3. कथा-पटकथा, मन्नूभंडारी, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली
4. व्यावहारिकनिर्देशिका - पटकथालेखन, असग़रवजाहत, राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
5. पटकथातथासंवादलेखन, विपुलकुमार, श्रीनटराजप्रकाशन
6. टेलीविजनलेखन, असग़रवजाहत, प्रभातरंजन, राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
7. पटकथाकैसेलिखें, राजेंद्रपांडे, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली
8. सिनेमाकेबारेमें (जावेदअख़्तरसेनसरीनमुन्नीकबीरकीबातचीत), अनुवाद - असग़रवजाहत, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली
9. कथा-पटकथासंवाद, हूबनाथ, अनभैप्रकाशन, मुंबई

# GE (ख) संचार क्रांति और ग्लोबल मीडिया (4)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (ख) संचार क्रांति और ग्लोबल मीडिया | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्योंऔरभूमिका से अवगत कराना।
- सूचना की शक्ति का विस्तृत परिचय देना।
- ग्लोबलमीडिया की अवधारणा से परिचित कराना।
- प्रमुख ग्लोबल समाचार पत्र और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म से अवगत कराना

## Course Learning Outcomes

- छात्रोंको अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्यों और महत्व की जानकारी मिलेगी।
- छात्र ग्लोबल मीडिया की अवधारणा से परिचित होंगे।
- छात्रों में ग्लोबल मीडिया को विश्लेषित और मूल्यांकन करने का कौशल विकसित होगा।
- छात्रों में तीसरी दुनिया के देशों के पाठकों/दर्शकों/श्रोताओं को समझने की आलोचनात्मक सोच विकसित होगी।

1. **सूचनाक्रांतिऔरवैश्विकपरिदृश्य10घंटे**
    - डिजिटल क्रांतिऔरसूचनासमाज
    - अंतरराष्ट्रीयस्तरपरसूचनाप्रवाह
    - मीडियाकाबहुराष्ट्रीयकरण एवं एजेंडा सेटिंग

**2.ग्लोबलमीडिया:सामान्यपरिचय 10घंटे**

- ग्लोबलमीडियाकाअर्थऔरस्वरूप,
- प्रमुखग्लोबलसमाचारपत्रएवं समाचारसमितियां

- प्रमुखग्लोबलटेलीविजननेटवर्करेडियोऔर ,डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म

**3.नयीसूचनाव्यवस्थाऔरसंचार 10घंटे**

- नई सूचना व्यवस्था में यूनेस्कोकीभूमिका
- ग्लोबलमीडियाकाअंतरराष्ट्रीयसंबंधोंपरप्रभाव,विकसितऔरविकासशीलदेशोंकेमध्यसूचनाअसंतुलन
- ग्लोबल मीडिया में भारत की छविएवं मुद्दे

4. **ग्लोबलमीडियाव्यवस्था और भारतीय मीडिया 15घंटे**

- पश्चिमी आधिपत्य एवं ग्लोबलमीडियास्वामित्व
- भारतमेंमीडियास्वामित्वकास्वरूप:क्रॉसमीडियाऑनरशिप, विदेशी निवेश
- भारतमेंसमाचारपत्र,समाचारचैनलऔरडिजिटलमीडियाकास्वामित्व,

**प्रायोगिककार्य : 30घंटे**

- ग्लोबलमीडियापररिपोर्टतैयारकरना।
- किसीमीडियासंस्थानकाभ्रमणऔरउसकीरिपोर्टतैयारकरना।
- भारतीयप्रेसटेलीविजनप्रसारणकेउद्भवविकासपरपोस्टरयापीपीटीतैयारकरना।/रेडियो/
- विभिन्नदेशोंकेअंतरराष्ट्रीयसमाचारपत्रपढ़ना
  अन्तराष्ट्रीयरेडियोप्रसारकोकेकार्यक्रमसुननाऔरउनकेविभिन्नपक्षों/अंतरराष्ट्रीयटीवीचैनलदेखना/
  विषयसामग्री),कवरेज,नैतिकपरिप्रेक्ष्य (पररिपोर्टतैयारकरना।

**सहायकपुस्तकें :**


- भारतीयपत्रकारिताकोश,विजयदत्तश्रीधर,वाणीप्रकाशननयीदिल्ली ,
- भूमंडलीकरणकीचुनौतियां,सच्चिदानंदसिन्हा नयीदिल्ली ,वाणीप्रकाशन,
- प्रारंभिकभारतकापरिचय,रामशरणशर्माओरियंटब्लैकस्वान,
- हिंदीपत्रकारिताकेकीर्तिमान,जगदीशप्रसादचतुर्वेदी,साहित्यसंगम,इलाहाबाद
- मैन्युफैक्चरिंगकंसेंटदपॉलीटिकलइकोनामीऑफदमासमीडिया,हरमनएसएडवर्डएंडनोमचोम्स्कीवन
  )1995(आरएसयूआर
- इंडियासकम्युनिकेशनरिवॉल्यूशन:फ्रॉमबुलककार्ट्सटूसाइबरमार्टस
  रोगेर्ससेजपब्लिकेशन.अरविन्दसिंघलएंडएवेरेटएॅम,

# Community outreach (2)

**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| Community outreach | 2 | 0 | 0 | 2 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1समाजकेविभिन्नमुद्दोंकेप्रतिमीडियाछात्रोंकोजागरूक .करना।

2. छात्रोंमेंसामाजिकसरोकारकीसमझविकसितकरना।
3. समाज, संस्थानऔरमीडियाउद्योगमेंसमन्वयस्थापितकरना।
4. छात्रोंमेंमीडियाव्यवसायकीव्यावहारिकसमझविकसितकरना।

### Course Learning Outcomes

1. समाजकेविभिन्नमुद्दोंकेप्रतिछात्रजागरूकहोंगे।
2. छात्रोंमेंसामाजिकसरोकारकीसमझविकसितहोगी।
3. मीडियाव्यावसायकाव्यवहारिककौशलविकसितहोगा।
4. समाज, संस्थानऔरमीडियाउद्योगमेंसमन्वयस्थापितहोगा।

### Syllabus: 60घंटे

1. विविधसमुदायोंकेसाथमीडियाजागरूकतापरकार्यशाला।
2. विभिन्नमीडियाचैनलोंद्वाराआयोजितचर्चामेंहिस्सालेना।
3. मीडियासंस्थानोंकाभ्रमण )समाचार-पत्र,पत्रिका, रेडियोएवंटीवी(
4. विभिन्नसमसामयिकमुद्दोंपरचर्चाकीरिकॉर्डिंगतैयारकरना।
5. विश्वविद्यालयएवंकॉलेजोंकेविविधकार्यक्रमोंकीकवरेजकरना प्रिंट), रेडियो, वीडियो, लाइव(
6. भ्रमणएवंगतिविधियोंकीसाप्ताहिकरिपोर्टतैयारकरप्रकाशितकरना।
7. समाजकेविविधक्षेत्रोंउत्कृष्टकार्यकरनेवालेलोगोंकेसाक्षात्कारकरना।
8. संबंधितशिक्षकसेनियमितचर्चाएवंमार्गदर्शनमेंगतिविधियोंकोकार्यान्वितकरना।
9. स्थानीयमुद्दोंपररिपोर्टिंगऔरपरिचर्चाकाआयोजनकराना।
10. मीडियालैबमेंमीडियाकार्यक्रमतैयारकरना।

**<u>फील्डवर्कसेमेस्टरमें:</u>**

- सप्ताहमेंन्यूनतम4घंटेछात्रकोसमाजमेंदेनेहोंगे।कार्यकीजांच )1 घंटा) समुहमार्गदर्शन (1 घंटा(
- छात्रोंकीसामुदायिकभ्रमणमें प्रतिशतउपस्थितिअनिवार्यहोगी 80।
- छात्रोंकामीडियासंस्थानयासमाजमेंभ्रमणशिक्षकोंकेदेखरेखएवंनिर्देशनमेंहोगा।-

**नोट**

**:**हिंदीपत्रकारिताएवंजनसंचारपाठ्यक्रमकेलिएआधुनिकसुविधाओंसेलैसऑडियोवीडियोमीडियालैब अनिवार्यहै।छात्रोंकेप्रायोगिकप्रशिक्षणहेतुमहाविद्यालयमेंअपेक्षितमीडियाउपकरण, तकनीकीक्षमतारखनेवालेसहायककर्मी, उपयोगीसॉफ्टवेयरएवंकम्प्यूटरकेसाथप्रोजेक्टरऔरइंटरनेटकीसुविधाकीव्यवस्थाकीजाए।

# DEPARTMENT OF HINDI

## SEMESTER - 6

## बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

## Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

**(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)**

# DSC 13 जनमाध्यम के सिद्धांत

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **जनमाध्यम के सिद्धांत** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों में जनमाध्यमों की समझ विकसित करना
2. छात्र को भारतीय संचार की अवधारणा से परिचित कराना
3. छात्रों को जनमाध्यम और समाज के बीच संबंध से अवगत कराना।
4. छात्रों को जनमाध्यम संदेशों पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की पहचान कराना
5. जनसंचार के विविध प्रारूप और सिद्धांतों से परिचित कराना।

## Learning Outcomes

1. जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी।
2. संचार की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे।
3. जन माध्यमों के समाज पर प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।
4. जनमाध्यमों के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
5. जनमाध्यम के संदेशों से व्यक्तिगत प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।

**1. जनमाध्यम : परिचय** **10 घंटे**

- जनमाध्यम: स्वरूप एवं प्रकार
- जन माध्यम: कार्यशैली एवं उद्देश्य
- जनमाध्यमों की जनमत निर्माण में भूमिका : एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल

## 2. संचार के मॉडल 10 घंटे

- संचार प्रारूप (मॉडल) के प्रकार : लीनियर, नॉन लीनियर एवं मिश्रित
- प्रमुख संचार प्रारूप: अरस्तु, शैनन एवं वीवर,ऑसगुड, लासवेल एवं विल्बर श्रैम
- आधुनिक संचार प्रारूप: न्यूकॉम्ब, गर्बनर, वेस्तले एवं मैकलीन, व्हाइट गेटकीपिंग

## 3. जनसंचार के सिद्धांत 10 घंटे

- जनसंचार के समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
- जनसंचार का नियामक सिद्धांत (प्रभुत्ववादी, उदारवादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, साम्यवादी सिद्धांत, लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत, मीडिया विकास का सिद्धांत)
- अन्य सिद्धांत: बुलेट सिद्धांत, गेटकीपिंग का सिद्धांत, क्लटीवेशनल सिद्धांत, जनसमाज सिद्धांत

## 4. माध्यम-प्रभाव अध्ययन 15 घंटे

- जनमाध्यमों की प्रस्तुति की समीक्षा
- फीड बैक, फीड फ़ारवर्ड
- उपभोक्तावादी संस्कृति से मीडिया में आये बदलावों की समीक्षा

## प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- किसी एक चयनित संचार सिद्धांत की प्रासंगिकता का सर्वे और आपसी बातचीत के आधार पर पीपीटी तैयार करना
- किसी समसामयिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार की मीडिया प्रस्तुति की केस स्टडी तैयार करना
- किसी समसामयिक सामाजिक/ आर्थिक/ राजनीतिक/ तकनीकी मुद्दे पर भाषण तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना
- किन्ही दो प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की समाचार प्रस्तुति का तुलनात्मक अध्ययन एवं प्रस्तुति
- जनमत निर्माण हेतु प्रश्नावली निर्माण और उसके आधार पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करना।

**संदर्भ पुस्तकें :**


1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस मुंबई
2. संचार के सिद्धांत, आशा हिंगड़, मधु जैन, सुशीला पारीक, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. संप्रेषण: प्रतिरूप एवं सिद्धांत, डॉ श्रीकांत सिंह, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद
4. संचार के मूल सिद्धांत, ओमप्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन
5. मास कम्युनिकेशन थ्योरी, डेनिस मैक्वेल, सेज पब्लिकेशन नई दिल्ली
6. कम्युनिकेशन मीडिया यस्टरडे टुडे एंड टुमारो, पीएन मल्हन, प्रकाशन विभाग नई दिल्ली
7. कम्युनिकेशन, सीएस रेड्डु, हिमालय पब्लिशिंग हाउस मुंबई
8. द प्रोसेस एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन, श्रैम, डब्लू एंड रोबर्ट्स डीएफ

# DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. हाशिए के समाज की अवधारणा से परिचित करवाना।
2. हाशिए के समाज की समस्याओं से अवगत करवाना।
3. हिंदी मीडिया में हाशिए के समाज की भूमिका बताना।
4. सामाजिक बदलाव के लिए छात्रों को तैयार करना।

## Course Learning Outcomes

1. छात्र हाशिये के समाज के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. छात्र समाज का महत्त्व समझेंगे।
3. छात्र समाज परिवर्तन के लिए तैयार होंगे।

**1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था और हाशिए का समाज** **10 घंटे**

- हाशिए का समाज – अर्थ और अवधारणा
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था और समस्याएं
- सामाजिक विकास में हाशिए के समाज का योगदान

**2. दलित- आदिवासी समाज और मीडिया** **10 घंटे**

- दलित और आदिवासी वर्ग की समस्याएं
- मीडिया की मुख्यधारा दलित और आदिवासी समाज
- मीडिया की ख़बरें और समतामूलक समाज – निर्माण का उद्देश्य एवं सामाजिक समरसता

**3. जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श** **10 घंटे**

- स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा
- मीडिया के जेंडर समानता के सवाल
- थर्ड जेंडर का मुद्दा और हिंदी मीडिया

**4. अस्मिता विमर्श और माध्यम व्यवहार** **15 घंटे**

- लोक संस्कृति के पहलू और हाशिए का समाज
- जन माध्यमों का बाजार और हाशिए का जीवन
- सामाजिक न्याय और मीडिया

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- महाविद्यालय में हाशिए के समाज सम्बन्धी कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करवाना।
- किसी एक अख़बार की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- किसी एक चैनल की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- हाशिए के समाज के प्रमुख व्यक्तित्व से भेंटवार्ता और साक्षात्कार।

**सहायक पुस्तकें :**

1. मीडिया के सामाजिक सरोकार कालूराम परिहार, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा०लिमिटेड, नईदिल्ली
2. भारतीय समाज (अनुवाद:वंदना मिश्र) श्यामा चरण दुबे, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
3. समकालीन मीडिया- परिदृशय और अस्मिता मूलक विमर्श डा०मधु लोमेश, हेमाद्रि प्रकाशन, नईदिल्ली
4. आधुनिकता के आइने में दलित समाज, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन प्रा०लि०, दिल्ली
5. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एन्डब्यूटर्स, दिल्ली

# DSC 15 विज्ञापन

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC 15 विज्ञापन | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

1. छात्रों को मीडिया में विज्ञापन के महत्व से अवगत कराना।
2. छात्रों को विज्ञापन निर्माण का व्यवहारिक अभ्यास कराना।
3. छात्रों को विज्ञापन के भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देना।

### Course Learning Outcomes

1. छात्र मीडिया के अर्थतंत्र को जान पायेंगे।
2. विज्ञापन के कॉपी निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विज्ञापन में भाषा की रचनात्मकता का महत्व सीख सकेंगे ।
4. विज्ञापन की आचार संहिता को जान पायेंगे।

**1. विज्ञापन : अर्थ एवं सिद्धांत** **10 घंटे**

- विज्ञापन : अर्थ, प्रकार एवं उद्देश्य
- विज्ञापन के सिद्धांत : AIDA व DAGMAR
- ब्रांड की अवधारणा

**2. माध्यमगत विज्ञापन** **10 घंटे**

- प्रिंट एवं ई/डिजिटल विज्ञापन की विशेषता
- रेडियो विज्ञापन
- वीडियो/टेलीविजन विज्ञापन की विशेषता

**3. विज्ञापन निर्माण एवं भाषा** **10 घंटे**

- विज्ञापन कॉपी निर्माण एवं तत्व
- विज्ञापन में रचनात्मकता एवं भाषाई प्रयोग
- विज्ञापन अभियान एवं चरण

**4. विज्ञापन एवं समाज** **15 घंटे**

- विज्ञापन का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
- विज्ञापन परिषद की आचार संहिता
- विज्ञापन एजेंसी की संगठन संरचना

**प्रायोगिक कार्य :** **30 घंटे**

- किसी एक विषय पर विज्ञापन की कॉपी तैयार करना।
- रेडियो जिंगल तैयार करना।
- सामाजिक जागरूकता हेतु वीडियो विज्ञापन तैयार करना।
- समाज पर विज्ञापन के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

**सहायक पुस्तकें :**


1. हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, आशुतोष पार्थेश्वर, अद्वैत प्रकाशन
2. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, अलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन तकनीक एवं संपादन, डॉ नरेंद्र यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
4. विज्ञापन की दुनिया, प्रो कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

# DSE 3 हिंदी सिनेमा (क)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE 3 हिंदी सिनेमा (क) | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objectives

1. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास यात्रा से अवगत करवाना।
2. हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त तकनीकी दक्षता प्रदान करना।
3. हिंदी सिनेमा जगत के विविध आयामों से परिचित कराना।

### Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. सिनेमा के क्षेत्र में उत्पन्न रोज़गार के अवसरों का लाभ ले पायेंगे।

**1. हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय** **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा
- सिनेमा के विषय : सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक, पारिवारिक, कॉमेडी, हॉरर
- हिंदी सिनेमा का वर्गीकरण : लोकप्रिय सिनेमा, समानांतर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा

**2. हिंदी सिनेमा : तकनीक एवं प्रविधियाँ** **10 घंटे**

- सिनेमा : तकनीकी एवं कौशल : पटकथा, अभिनय, संवाद, गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, प्रस्तुतीकरण

- स्पेशल इफ़ेक्ट्स तकनीक
- सिनेमेटोग्राफ़ी

**3. हिंदी सिनेमा : अर्थशास्त्र और प्रबंधन** **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बाज़ार : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय
- हिंदी सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा समीक्षा, सेंसर बोर्ड, सिनेमा संबंधी तकनीकी शब्दावली

**4. हिंदी सिनेमा  का समकालीन परिदृश्य** **15 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप : न्यू सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म, शॉर्ट फ़िल्म्स
- हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र
- लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन : दो बीघा ज़मीन, मदर इंडिया, पूरब-पश्चिम, स्वदेश, तारे ज़मीन पर, चक दे इंडिया

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- किसी चर्चित फ़िल्म की समीक्षा
- किसी साहित्यिक कहानी का संवाद लेखन एवं दृश्य रूपांतरण करना
- समसामयिक विषयों पर 5 मिनट की लघुफ़िल्म का निर्माण
- समाचार पत्र के फ़िल्म आधारित परिशिष्ट पेज का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना

## सहायक पुस्तकें :

9. सिनेमा का जादुई सफ़र : प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. फ़िल्म निर्माण के कारक तत्व : बालकृष्ण राव, राजमंगल प्रकाशन
11. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा, शशि प्रकाशन
12. Encyclopedia of Hindi Cinema, Govind nihlani, Gulzar, Saibal Chatterjee, Britannica Press
13. Great Movies 100 years of cinema, parragon Books
14. Reviewing Hindi Cinema since 1945, Suman Shakya, Notion Press

# DSE 3 खोजी पत्रकारिता (ख)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Coursetitle & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteofthecourse (ifany) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE 2 खोजी पत्रकारिता (ख) | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

4. स्टिंग पत्रकारिता के स्वरूप की जानकारी देना।
5. छात्रों को स्टिंग पत्रकारिता के महत्व से परिचित कराना।
6. स्टिंग पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

### Course Learning Outcomes

4. स्टिंग पत्रकारिता और उसके प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. स्टिंग पत्रकारिता के महत्व को समझेंगे।
6. छात्रों को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

**1. खोजी पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप** **10 घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा एवं विभिन्न प्रकार
- सामान्य रिपोर्टिंग तथा खोजी पत्रकारिता में अंतर
- खोजी पत्रकारिता में मौलिकता का महत्व

**2. खोजी रिपोर्ट एवं शोधपरक पड़ताल** **10 घंटे**

- खोजपरक रिपोर्टिंग में शोध का महत्व एवं प्रयोग
- आंकड़ों का व्यवस्थित एवं प्रासंगिक अध्ययन
- आंकड़ों का तथ्यपरक एवं तुलनात्मक विश्लेषण

**3. स्टिंग ऑपरेशन : सिद्धांत, तकनीक, उपकरण एवं प्रयोग** **10 घंटे**

- स्टिंग ऑपरेशन : विधा की विशेषताएं एवं प्रशिक्षण
- स्टिंग ऑपरेशन : आवश्यक उपकरण एवं तकनीक
- स्टिंग ऑपरेशन : व्यावहारिक चुनौतियां एवं संभावित खतरे और क़ानूनी पहलू

**4. खोजी पत्रकारिता तथा स्टिंग ऑपरेशन : सामाजिक प्रभाव एवं विश्वसनीयता** **15 घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : सामाजिक प्रभाव
- व्यवस्था परिवर्तन एवं खोजी पत्रकारिता : (बोफोर्स तथा टू जी घोटाले के उदाहरण)
- स्टिंग ऑपरेशन : विश्वसनीयता एवं नैतिकता के प्रश्न

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- प्रमुख 5 स्ट्रिंग ऑपरेशन का अध्ययन कर उनकी रिपोर्ट प्रस्तुति करना।
- स्टिंग ऑपरेशन प्रविधि का आकलन करते हुए एक खोजी रिपोर्ट तैयार करना।
- ऑफलाइन – ऑनलाइन स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवादों पर एक आलोचनात्मक लेख तैयार करना।
- स्टिंग ऑपरेशन के प्रभावों की समीक्षा विषय पर समूह चर्चा।

**सहायक पुस्तकें :**

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और स्टिंग ऑपरेशन – सतीश शर्मा जाफराबादी, तक्षशिला प्रकाशन
2. स्टिंग ऑपरेशन का सच भूपेन पटेल, पेंगुइन
3. इन्टरनेट जर्नलिज़्म - विजय कुलश्रेष्ठ -साहिल प्रकाशन   जयपुर
4. स्टिंग ऑपरेशन सिध्द्धांत एवं व्यवहार – डॉ एस श्रीकान्त ,श्री नटराज प्रकाशन

# DSE 3 लोक संस्कृति और समाज (ग)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE 3 **लोक संस्कृति और समाज (ग)** | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

- लोक संस्कृति की जानकारी प्रदान करना।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- सभ्यता-संस्कृति की समझ विकसित करना।

### Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी लोक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अर्जित ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य कर सकेंगे।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की व्यवहारिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
- सभ्यता और संस्कृति की समीक्षा कर सकेंगे।
- लोक संस्कृति की व्यवसायी संभावनाओं का उपयोग करना सीख सकेंगे।

**1. लोक संस्कृति : परिचय** **10 घंटे**

- लोक संस्कृति : अर्थ, अवधारणा, विशेषताएँ, सभ्यता और संस्कृति

- लोक संस्कृति और समाज का अंतर्संबंध
- लोक संस्कृति : महत्व, संकट और संभावनाएँ

**2. लोक साहित्य,समाज एवं संस्कृति** **10 घंटे**

- लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथाएं, लोक साहित्य में प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की उपस्थिति (1857 का स्वाधीनता संग्राम, स्वाधीनता आंदोलन, स्वतंत्र भारत में युद्ध)
- लोक साहित्य और भाषा का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
- लोक संस्कृति और अभिजनवादी संस्कृति, लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य

**3. जनमाध्यम और लोक संस्कृति** **10 घंटे**

- जनमाध्यम में लोक संस्कृति की स्थिति (पत्र-पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, ओटीटी, सोशल मीडिया), कंटेंट और भाषा
- पॉपुलर कल्चर और लोक संस्कृति, मीडिया और संस्कृति का अंतर्संबंध
- जनमाध्यमों पर अभिव्यक्ति की चुनौतियाँ तथा लोक भाषा

**4. विमर्श और लोक संस्कृति** **15 घंटे**

- आधुनिकता और लोक संस्कृति : इतिहास, विज्ञान, आख्यान, प्राच्यवाद
- लोक और विमर्श : आदिवासी, स्त्री, दलित, पर्यावरण,
- स्व और लोक संस्कृति, सांस्कृतिक वर्चस्व और लोक संस्कृति

**प्रायोगिक कार्य :** **30 घंटे**

- लोकगीतों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति करना
- हिंदी उपन्यास अथवा किसी हिंदी कहानी पर बनी फिल्म की पटकथा पर समूह चर्चा।
- लोक साहित्य लोक कथाओं का संकलन तथा अनुवाद करना।
- किसी लोक संस्कृतिकर्मी से भेंटवार्ता एवं साक्षात्कार करना।
- लोक संस्कृति के किसी रूप पर परियोजना कार्य (रामलीला, रासलीला, आल्हा)
- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव की सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

**सहायक पुस्तकें :**

1. लोक संस्कृति के विविध आयाम, महीपाल सिंह राठौड़, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, 2021
2. हिंदी प्रदेश के लोक गीत , डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
3. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
4. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन
5. भारतीय संस्कृति, डॉ. देवराज, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
6. संस्कृति की आंतरिक लय के स्रोत, वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, प्रकाशन विभाग
7. वासुदेव शरण अग्रवाल रचना-संचयन, चयन एवं संपादन- कपिला वात्स्यायन, साहित्य अकादेमी
8. भारत की पहचान, चयन एवं संपादन- गिरीश्वर मिश्र, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
9. लोक संस्कृति की रूपरेखा, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन

# GE मीडिया और मानवाधिकार (क)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisiteofthecourse (ifany) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (क) मीडिया और मानवाधिकार | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objectives

1. मानवाधिकार के महत्व से परिचित कराना।
2. मानवाधिकारों की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत कराना।
3. मानवाधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना।

### Course Learning Outcomes

1. मानव अधिकार के महत्त्व से परिचित होंगे।
2. मानव अधिकार की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।
3. मानव अधिकार के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे।

**1. मानवाधिकार का परिचय** **10 घंटे**

- मानवाधिकारों का स्वरूप और विकास
- मानव अधिकार का महत्व एवं प्रकार
- प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध और यूएनओ का मानव अधिकार चार्टर

**2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन और मीडिया** **10 घंटे**

- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों (यूएनओ, ह्यूमन राइट कमीशन, ह्यूमन राइट वॉच, एमनेस्टी इंटरनेशनल आदि) की गतिविधियां एवं मीडिया।
- राष्ट्रीय एवं राज्य मानवाधिकार आयोग, केंद्र एवं राज्य सरकारें, नौकर शाही, न्याय-पालिका और पुलिस व्यवस्था की मीडिया में छवि एवं मानवाधिकार।
- निजी एवं गैर-सरकारी मानव अधिकार संगठनों की गतिविधियां और मीडिया में उनकी प्रस्तुति।

**3. ज्वलंत एवं समसामयिक मानवाधिकार संबंधी मुद्दे और मीडिया** **10 घंटे**

- युद्ध एवं हिंसा सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- स्त्री सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- बाल एवं वृद्ध मानवाधिकार संबंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया

**4. मीडिया और मानवाधिकार** **15 घंटे**

- 'हेट-स्पीच', मानवाधिकार और मीडिया
- मीडिया में माफिया आतंक का महिमामंडन और मानवाधिकार
- मीडिया की प्रतिबद्धता और मानवाधिकार

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- मानवाधिकार संबंधी किसी फिल्म का समीक्षात्मक विश्लेषण
- किसी टीवी चैनल में प्रसारित समाचार में मानवाधिकार की प्रस्तुति का विश्लेषण
- मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधित केस स्टडी का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना।
- मानवाधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पर समूह चर्चा
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित मानवाधिकार से जुड़ी खबरों का रिपोर्ट लेखन
- मानवाधिकारों के प्रति समाज जागरण हेतु पोस्टर निर्माण

**संदर्भ पुस्तकें :**


1. मानवाधिकार एक परिचय – डॉ. रणधीर कुमार, संकल्प प्रकाशन
2. मानवाधिकार और मीडिया - मुकुल श्रीवास्तव, एटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
3. मानवाधिकार – डॉ. विजेंद्र सिंह बौद्ध, युवराज प्रकाशन, आगरा
4. मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता - जस्टिस गुलाब गुप्ता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
5. मानवाधिकार और महिलाएं – डॉ. (श्रीमती) ममता चंद्रशेखर, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

# GE वेब पत्रकारिता (ख)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (ख) वेब पत्रकारिता | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

- विद्यार्थियों को वेब पत्रकारिता के परिवर्तित स्वरूप से परिचित कराना।
- वेब लेखन तकनीक की जानकारी देना।
- वेब पत्रकारिता के नैतिक और कानूनी आयामों से अवगत कराना।

### Course learning outcomes

- विद्यार्थी वेब समाचार,फीचर और लेखन तकनीक में दक्ष होंगे।
- वेब सामग्री का निर्माण और संपादन कार्य  की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वेब सामग्री निर्माण के वैधानिक पक्ष की जानकारी से समृद्ध होंगे।

**1. वेब पत्रकारिता** **10 घंटे**

- वेब पत्रकारिता की परिभाषा महत्त्व और प्रकार
- वेब पत्रकारिता की उत्पत्ति और विकास
- वेब पत्रकारिता का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, बदलते समाज में वेब पत्रकारिता की भूमिका

**2. वेब पत्रकारिता के रूप और प्रारूप** **10 घंटे**

- वेब के लिए फोटो, वेब के लिए ऑडियो और वीडियो
- सूचना-ग्राफिक्स और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, मल्टीमीडिया पैकेज और मल्टी-मीडिया वृत्तचित्र
- वेब पत्रकारिता के रूप और उपकरण, वेब समाचार, वेब विज्ञापन, मार्केटिंग की पैकेजिंग और वितरण

**3. वेब पत्रकारिता के लिए लेखन** **10 घंटे**

- समाचार लेखन बनाम वेब के लिए लेखन

- वेब पत्रकारिता के लिए हेडलाइंस, हाइपरलिंक्स और सर्च इंजन अनुकूलित लेखन, सोशल नेटवर्किंग साइट्स में लेखन
- लिखने के लिए ग्राफिक्स और छवियों का उपयोग, वेब, वेब सामग्री लेखन और सर्च इंजन के साथ इसका संबंध

**4. कन्वर्जेंट पत्रकारिता और वेब** **15 घंटे**

- कन्वर्जेंट पत्रकारिता की परिभाषा, इसका विकास, प्रौद्योगिकी और अभिसरण (कन्वर्जेंस)
- कन्वर्जेंट पत्रकारिता का क्षेत्र, आभासी और वास्तविक कन्वर्जेंट पत्रकारिता के बीच अंतर, कम्युनिकेशन कन्वर्जेंस बिल 2001, प्रमुख भारतीय समाचार पोर्टलों का संक्षिप्त परिचय
- नेटवर्किंग वेबसाइटें, वेब 2.0 आदि की विशेषताएं एवं अनुप्रयोग

**प्रायोगिक कार्य:** **30 घंटे**

- किसी वेबसाइट के लिए फीचर तैयार करना।
- ब्लॉग बनाना और उसमें समसामयिक विषयों पर लेख लिखना।
- किसी न्यूज पोर्टल के लिए समाचार तैयार करना।
- अपने संस्थान की महत्वपूर्ण गतिविधियों की फोटोग्राफी करना, वीडियो रिपोर्ट और पॉडकास्ट बनाना।

**सहायक पुस्तकें :**


1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction, focal Press

# Community outreach (2)

**CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE**

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical / Practice | | |
| Community outreach | 2 | | | 2 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
3. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
4. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

## Course Learning Outcomes

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
3. मीडिया व्यावसाय का व्यवहारिक कौशल विकसित होगा।
4. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

**Syllabus :** **120 घंटे**

1. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
2. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
3. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
4. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।
5. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
6. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।

7. समाज के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।

8. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में विभिन्न मीडिया गतिविधियों को कार्यान्वित करना।

9. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।

10. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

**फील्ड वर्क सेमेस्टर में :**

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) समूह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

**नोट :** हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर के साथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था होनी चाहिए।

## SEMESTER - 6

## बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

## Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

**(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)**

# DSC 16 जनसम्पर्क

### CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC 16 **जनसम्पर्क** | 4 | 3 | | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क के उपयोग से अवगत कराना।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालना।
4. जनसंपर्क में कौशल विकसित करना।

### Learning Outcomes

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लाभान्वित होंगे।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली का ज्ञान अर्जित करेंगे।
4. जनसंपर्क के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे।

**1. जनसंपर्क: अवधारणा और विकास** **10 घंटे**

- जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- जनसंपर्क के विकास का भारतीय परिदृश्य, जनसंपर्क के विकास का वैश्विक परिदृश्य
- जनसंपर्क के सिद्धान्त और साधन

**2 जनसंपर्क विभाग: संरचना और कार्य प्रक्रिया** **10 घंटे**

- जनसंपर्क विभाग की संरचना और कार्य
- जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी व निजी क्षेत्र का जनसंपर्क
- जनसंपर्क : आंतरिक एवं बाह्य

**3 जनसंपर्क अभियान एवं जनमत निर्माण** **10 घंटे**

- जनसंपर्क अभियान
- जनमत निर्माण में जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका
- जनसंपर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व

**4 जनसंपर्क के विविध आयाम** **15 घंटे**

- आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क
- जनसंपर्क, विज्ञापन, प्रचार और प्रोपेगेंडा
- जनसंपर्क उद्योग और जनमाध्यम

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- किसी एक सरकारी जनसंपर्क विभाग के संगठन और कार्य योजना पर रिपोर्ट लिखना।
- किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेना।
- आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक या स्वास्थ्य विषयक जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

**संदर्भ पुस्तकें :**


1. जनसंपर्क प्रबंधन, डॉ कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन
2. जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ सुशील त्रिवेदी, शशि कांत शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. जनसंपर्क अवधारणा एवं बदलता स्वरूप, कृ शि मेहता, किताब घर प्रकाशन
4. जनसंपर्क के विविध आयाम, पवित्र श्रीवस्तव सी के सक्सेना, राजकमल प्रकाशन
5. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन

# DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC 17 **डिजिटल संचार के नए आयाम** | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. डिजिटल संचार लेखन में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना ।
3. डिजिटल संचार लेखन के व्यावहारिक, नैतिक और वैधानिक आयामों से अवगत कराना।

## Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न नए डिजिटल प्लेटफार्म की लेखन पद्धति सीखेंगे।
2. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा ।
3. डिजिटल संचार लेखन के विविध कानूनी और नैतिक आयामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

**1. डिजिटल संचार** **10 घंटे**

- डिजिटल संचार: स्वरूप और विकास
- डिजिटल संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- डिजिटल संचार के उपकरण: इन्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज पोर्टल, ऐप्स, ओटीटी प्लेटफार्म, इन्टरनेट रेडियो, एचडीटीवी, ई मेल आदि।

**2. डिजिटल संचार के नए आयाम 10 घंटे**

- वेब ट्रेफिक, गूगल ट्रेंड्स, FB पोस्ट, ट्वीट, ऑडियो बुक, वेब सीरिज
- लाइव चैट, चैट बॉट, चैट जीपीटी, वीडियो चैट, वेब कॉलिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग
- डिजिटल विज्ञापन, शॉर्ट्स वीडियो, रील, मीम्स, ऑडियो वीडियो किस्सागोई, एसएमएस, इमोजी, स्टीकर

**3. डिजिटल संचार, मार्केटिंग और जनसम्पर्क 10 घंटे**

- डिजिटल जनसम्पर्क के उपकरण, डिजिटल जनसम्पर्क में मार्केटिंग और ब्रांड प्रचार
- मिक्स मार्केटिंग में डिजिटल संचार का उपयोग और ब्रांड निर्माण में डिजिटल संचार का उपयोग, मार्केटिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और जनसम्पर्क के संबंध
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन स्पॉन्सरशिप और ब्रांड प्रचार, डिजिटल संचार का उपयोग करने वाले ब्रांड्स की केस स्टडी

**4. डिजिटल संचार की संस्कृति और सूचना युग 15 घंटे**

- मीडिया सामग्री बनाम डिजिटल मीडिया सामग्री और वर्तमान विचारधारा
- डिजिटल सामग्री और बौद्धिक संपदा, डिजिटल सामग्री के कार्यान्वयन का उपयोग, महत्व और क्षेत्र
- सोशल मीडिया पर डिजिटल सामग्री प्रबंधन का महत्व

**प्रायोगिक कार्य: 30 घंटे**

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- किसी कॉलेज इवेंट के लिए शॉर्ट वीडियो का निर्माण करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- ब्लॉग बनाकर उसमें फीचर और लेख लिखना।
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए डिजिटल जनसंपर्क उपकरण का निर्माण करना।

**सहायक पुस्तकें :**


1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction,focal Press
6. Itule & Andersson (2002),News writing and reporting for today's media, MecGraw Hill publication
7. Davidson Amber -Controversies in digital ethics, Bloomsbury pub.

# DSC 18 मीडिया शोध

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSC 18 **मीडिया शोध** | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

### Course Objective

4. छात्रों को शोध के महत्व से अवगत कराना।
5. शोध की सामाजिक उपयोगिता की जानकारी देना।
6. मीडिया में शोध सर्वे एवं विषयवस्तु विश्लेषण का महत्व बताना।

### Course Learning Outcomes

5. छात्र वैज्ञानिक अध्ययन का महत्व जान पायेंगे।
6. शोध के विविध चरणों की जानकारी से छात्रों की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।
7. शोधकर्ता के उत्तरदायित्व को जान पायेंगे।
8. साहित्य चोरी एवं संदर्भ लेखन के महत्व का ज्ञान होगा।

**1. शोध : अर्थ एवं सिद्धांत** **10 घंटे**

- शोध : अर्थ, उपयोगिता एवं उद्देश्य
- शोध के विभिन्न प्रकार एवं चरण
- शोध की नैतिकता, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व

**2. शोध-प्रक्रिया** **10 घंटे**

- शोध – समस्या का चयन, विषय निर्धारण, चर (वेरिएबल) प्रकार

- साहित्य अवलोकन, उद्देश्य एवं शोध परिकल्पना : अर्थ, प्रकार
- सैंपलिंग : अर्थ, प्रकार एवं आवश्यकता

**3. शोध प्रविधि** **10 घंटे**

- शोध में आँकड़ें : प्राथमिक एवं द्वितीयक
- शोध विधि : सर्वे -अनुसूची एवं प्रश्नावली, विषयवस्तु विश्लेषण, प्रयोगात्मक, केस स्टडी आदि
- प्रश्नावली के प्रकार एवं निर्माण

**4. शोध परिणाम एवं साहित्य चोरी** **15 घंटे**

- आँकड़ों का एकत्रीकरण, व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण
- शोध परिणाम : सामान्यकरण, समस्या, संभावनाएँ एवं उपयोगिता
- संदर्भ सूची: आवश्यकता एवं स्टाइल, साहित्य चोरी

**प्रायोगिक कार्य :** **30 घंटे**

- विभिन्न विषयों पर शोध प्रश्नावली तैयार करना एवं आकड़ें एकत्रित करना।
- सामाजिक महत्व के किसी विषय पर छात्रों में सर्वे करना।
- सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण करना।
- समाचार पत्रों की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।
- ओपिनियन पोल जानने हेतु चुनावी सर्वे करना।

**सहायक पुस्तकें :**

5. शोध पद्वति, सी आर कोठारी, न्यू ऐज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुसंधान : प्रक्रिया और प्रविधि, साहित्य सरोवर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रिसर्च मैथडोलॉजी, लक्ष्मी नारायण कोहली, वायी के प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रिसर्च मैथडोलॉजी : ए स्टेप बाय स्टेप गाइड फॉर बिग्नर्स, रणजीत कुमार, सेज पब्लिकेशन

# DSE 3 मीडिया प्रबंधन (क)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE 3 (क) **मीडिया प्रबंधन** | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित करना।
2. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरुप एवं संगठन की जानकारी प्रदान करना।
3. मीडिया के अर्थशास्त्रीय प्रबंधन की समस्याओं एवं चुनौतियाँ से अवगत करना।

## Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरुप संगठन की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी मीडिया अर्थशास्त्रीय यथार्थ से अवगत होंगे।

**1 मीडिया प्रबंधन की अवधारणा** **10 घंटे**

- मीडिया प्रबंधन : अर्थ और महत्त्व
- मीडिया प्रबंधन के सिद्धांत
- मीडिया प्रबंधन : प्रबंधन विभाग, नीतियाँ और क्रियान्वयन

**2 मीडिया संस्थान : संरचना एवं प्रबंधन** **10 घंटे**

- मीडिया स्वामित्व और प्रबंधन
- प्रबंधन नियंत्रण कौशल
- राजनीतिक और प्रशासनिक दवाब

**3 मीडिया संस्थानों में प्रबंधन का स्वरुप** **10 घंटे**

- प्रिंट मीडिया का प्रबंधन स्वरुप : (समाचार पत्र और पत्रिकाओं के संदर्भ में संपादकीय प्रबंधन,

मुद्रण प्रबंधन एवं वितरण प्रबंधन)

- रेडियो की प्रबंधन प्रक्रिया : (ऑल इंडिया रेडियो और एफ़०एम० चैनल के संदर्भ में)
- टेलीविज़न की प्रबंधन प्रक्रिया : (प्रोडक्शन, प्रसारण, विज्ञापन, जनसंपर्क और केबल नेटवर्क प्रबंधन)

**4 मीडिया प्रबंधन का आर्थिक पक्ष** **15 घंटे**

- प्रबंधन और पूँजी नियोजन, मीडिया संस्थानों का अर्थशास्त्र
- विदेशी पूँजी निवेश, मीडिया का बदलता परिदृश्य
- मीडिया संस्थानों की आर्थिक समस्याएँ

**प्रायोगिक कार्य** **30 घंटे**

- किसी एक मीडिया हाउस के प्रबंधक का साक्षात्कार।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी एक संस्थान का भ्रमण कर उसके प्रबंधन पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी समाचार पत्र अथवा पत्रिका के प्रबंधन विभाग की जानकारी प्रस्तुत करना।
- किसी भी विषय पर जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

## सहायक पुस्तकें :


1. समाचार एवं प्रबंधन – गुलाब कोठारी – राधाकृष्ण प्रकाशन
2. आधुनिक मीडिया प्रबंधन – डॉ० भगवान देव पाण्डेय – मिथिलेश कुमार पाण्डेय - तक्षशिला प्रकाशन
3. मीडिया प्रबंधन के सांस्कृतिक आयाम – डॉ० टी०एस० 'आलोक' – वाणी प्रकाशन
4. मीडिया प्रबंधन 5 का मंत्र – विजय जोशी और श्री राजेंद्र सिंह – राजकमल प्रकाशन
5. मीडिया प्रबंधन – डॉ० ऋतु गोठी खत्री - लक्ष्य प्रकाशन
6. मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन की रूपरेखा – आर०बी०एस० वर्मा / अतुल प्रताप सिंह- न्यू रॉयल बुक कंपनी (NCBC)

# DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| **DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)** | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित कराना।
2. शैक्षिक पत्रकारिता के विविध आयामों की जानकारी देना।
3. शिक्षा एवं शिक्षण के स्तर पर जानकारी विकसित करते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षु पत्रकारों का रुझान पैदा करना।
4. शैक्षिक पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित कराना।

## Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी शैक्षिक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
2. समाजहित में शैक्षिक पत्रकारिता की उपादेयता को समझेंगे।
3. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे।
4. इस क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से अवगत होंगे।

**1 शैक्षिक पत्रकारिता : परिचय** **10 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता: अवधारणा एवं उद्देश्य
- शैक्षिक पत्रकारिता की आवश्यकता और महत्त्व
- शैक्षिक पत्रकारिता का इतिहास

**2 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध रूप** **10 घंटे**

- प्रिंट माध्यम और शैक्षिक पत्रकारिता
- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों – रेडियो टेलीविज़न में शैक्षिक पत्रकारिता का स्वरूप
- सोशल मीडिया और शैक्षिक पत्रकारिता- (गूगल याहू क्योरा पॉडकास्ट ट्विटर ब्लॉग फेसबुक )

**3 शैक्षिक पत्रकारिता : रिपोर्टिंग तकनीक** **10 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता के स्रोत
- शैक्षिक पत्रकारिता—कवरेज क्षेत्र
- शैक्षिक रिपोर्टिंग और लेखन कौशल

**4 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध आयाम** **15 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता और सामाजिक विकास
- व्यावसायिक दौर में शैक्षिक पत्रकारिता और नैतिक प्रश्न
- शैक्षिक पत्रकारिता चुनौतियाँ और संभावनाएं

**प्रायोगिक कार्य :** **30 घंटे**

- किसी समाचार पत्र के शैक्षिक परिशिष्ट अथवा एक सप्ताह की शैक्षिक खबरों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- शिक्षा चैनल या रेडियो पर प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों की समीक्षा
- शिक्षा संबंधी मुद्दों पर समूह चर्चा
- अपने विद्यालय अथवा महाविद्यालय परिसर में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रमों पर रिपोर्ट लेखन\ साक्षात्कार \न्यूज़ रील\ पॉड कास्ट अथवा ब्लॉग लेखन

**सहायक पुस्तकें :**


1. शिक्षा, मीडिया और राजनीति (वैचारिकी )— तेजपाल सिंह 'तेज़'— बुक वन ग्राफिक्स, दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- मीनाक्षी सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3. संचार दर्पण — रमेशचंद्र त्रिपाठी, न्यू रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
4. सामाजिक पत्रकारिता — भरत झुनझुनवाला , श्री नटराज प्रकाशन , दिल्ली
5. इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता — डॉ. अजय कुमार सिंह , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली

# DSE 2 खेल पत्रकारिता (ग)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| DSE 2 खेल पत्रकारिता (ग) | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित करवाना।
2. खेल पत्रकारिता की विशेषताओं से अवगत कराना।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

### Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. खेलों का जीवन में महत्व समझेंगे।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगें।

**1. खेल पत्रकारिता : सामान्य परिचय** **10 घंटे**

- खेल पत्रकारिता की अवधारणा और विकास
- प्रमुख खेल एवं प्रतियोगिताएं (ओलंपिक, पैरालम्पिक, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेल, क्रिकेट विश्व कप फीफा विश्व कप, सुपर सीरीज, ग्रैंड स्लैम राष्ट्रीय खेल, लीग प्रतियोगिताएँ)
- प्रमुख खेल संस्थाएं : भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय ओलंपिक संघ, भारतीय खेल फेडरेशन एवं PEFI (फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया)

**2. प्रिंट मीडिया में खेल लेखन** **10 घंटे**

- समाचार पत्र का खेल-पृष्ठ, मैच रिपोर्ट्स, रिव्यु और फॉलो-अप, रिपोर्टिंग
- फीचर प्रोफाइल लेखन, कॉलम लेखन, इंटरव्यू, फोटो पत्रकारिता

- खेल पृष्ठ सम्पादन, खेल आंकड़ों और रिकॉर्ड का महत्त्व

3. **खेल प्रसारण एवं लेखन 10 घंटे**
   - रेडियो, टीवी, सीधा प्रसारण, ओबी वैन प्रसारण व्यवस्था, रिकार्डेड प्रसारण, विशेष कार्यक्रम निर्मिति
   - खेल बुलेटिन, खेल एंकर, कमेंटटेटर, मल्टीस्पोर्ट्स प्रसारण, खेल प्रोग्राम पैकेजिंग
   - न्यू मीडिया एवं खेल : खेल केन्द्रित वेबसाईट, ब्लॉग, सोशल मीडिया,मोबाइल पत्रकारिता

4. **खेल पत्रकारिता एवं समाज 15 घंटे**
   - खेल पत्रकारिता और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
   - खेल पत्रकारिता और आचार संहिता
   - खेल पत्रकारिता और बाज़ार : खेल मार्केटिंग, खेल आयोजन और मीडिया का व्यवसायिक सम्बन्ध, मर्चेनडाइजिंग

**प्रायोगिक कार्य 30 घंटे**

- खेल विषयक 10 समाचारों का लेखन करना।
- किसी खिलाड़ी अथवा खेल पत्रकार का साक्षात्कार करना।
- खेल पृष्ठ निर्माण करना।
- केस स्टडी (खिलाड़ी/खेल/मुद्दे) पर करना।
- खेल देखकर मोबाइल कमेंट्री करना।
- खेल विषयक डॉक्युमेंट्री निर्माण करना।
- किसी एक खेल की पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए रिपोर्ट लिखना।

**संदर्भित पुस्तकें :**


1. पदमपति शर्मा : खेल पत्रकारिता, प्रभात प्रकाशन, 2011
2. सुशील दोषी, सुरेश कौशिक : खेल पत्रकारिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2006
3. डॉ. आशीष कुमार द्विवेदी : खेल पत्रकारिता के आयाम, हिंदी बुक सेण्टर, 2021
4. प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ. प्रभाशंकर मिश्र : खेल पत्रकारिता, भारती प्रकाशन, 2018
5. स्मिता मिश्र, सन्नी कुमार गोंड : भारतीय खेल : समकालीन विमर्श, सर्वभाषा प्रकाशन, 2022
6. स्मिता मिश्र, सुरेश कुमार लौ, सन्नी कुमार गोंड : ओलंपिक गाथा ईश्वरीय मिथक से मानवीय मिथक तक, इंडिया नेट्बूक्स, 2021
7. डा. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

8. रामचंद्र तिवारी : पत्रकारिता के विविध रूप : आलेख प्रकाशन
9. प्रवीण दीक्षित : जनमाध्यम और पत्रकारिता : सहयोगी साहित्य संस्थान,कानपुर
10. Sports Journalism: A Practical Introduction, Second Edition, Phil Andrews, SAGE Publications Ltd, 2014
11. Sports Journalism: An Introduction to Reporting and Writing, Kathryn T. Stofer and James R. Schaffer, Rowman & Littlefield Publishers, 2009

# GE (क) वैकल्पिक मीडिया

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (क) वैकल्पिक मीडिया | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. वैकल्पिक मीडिया से परिचित कराना।
2. मुख्यधारा मीडिया और वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति की जानकारी देना।
3. लोकतंत्र में वैकल्पिक मीडिया का महत्व बताना।
4. वैकल्पिक मीडिया की व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित कराना।

## Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी वैकल्पिक मीडिया से परिचित हो सकेंगे।
2. मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. लोकतंत्र में सरोकारपरक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
4. वैकल्पिक मीडिया में व्यावसायिक संभावनाओं से अवगत होंगे।

**1. वैकल्पिक मीडिया : परिचय** **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया : अर्थ, अवधारणा, उद्देश्य

- वैकल्पिक मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में अंतर (संगठन और कार्य-संस्कृति)
- वैकल्पिक मीडिया की आवश्यकता और इतिहास

**2. वैकल्पिक मीडिया: स्वरूप और संरचना** **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया के विविध रूप (पारंपरिक और आधुनिक)
- सूचना प्रौद्योगिकी और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया की विषयवस्तु और भाषा, रिपोर्टिंग का स्वरूप

**3. वैकल्पिक मीडिया: विविध परिप्रेक्ष्य** **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया का सामाजिक जीवन पर प्रभाव, वैकल्पिक पत्रकारिता (लघु पत्र-पत्रिकाएं, शार्ट फिल्म्स, ओटीटी, यूट्यूब, ब्लॉग)
- रोजगार के परिप्रेक्ष्य में वैकल्पिक मीडिया, अर्थ-स्रोत
- वैकल्पिक मीडिया की चुनौतियां और संभावनाएं, न्यू मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

**4. वैकल्पिक मीडिया: समसामयिक विमर्श** **15 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया में हाशिए का समाज, संस्कृति उद्योग और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया : विचारधारा, एजेंडा सेटिंग, सामाजिक आंदोलन
- वैकल्पिक मीडिया का वर्ग-चरित्र और नैरेटिव (तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य)

**प्रायोगिक कार्य :** **30 घंटे**

- मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया के स्वरूप का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- वैकल्पिक मीडिया के विस्तार, विषय, कार्य-संस्कृति पर समूह चर्चा और वार्ता
- समसामयिक विमर्शों से संबद्ध व्यावहारिक परियोजना कार्य
- वैकल्पिक मीडिया में सामाजिक आंदोलनों की उपस्थिति पर केस स्टडी
- वैकल्पिक मीडिया में भारतीय संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों की उपस्थिति पर टिप्पणी लेखन
- सर्वे के आधार पर किसी एक वैकल्पिक मीडिया की कार्यशैली, टारगेट ऑडियंस तथा अर्थ-तंत्र पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना

**सहायक पुस्तकें :**

1. मीडिया, शासन और बाजार, अरविन्द मोहन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
2. वैकल्पिक मीडिया, लोकतंत्र और नॉम चॉम्स्की, सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. मीडिया विमर्श, रामशरण जोशी, सामयिक प्रकाशन
4. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. पत्रकारिता के नए आयाम, सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन

6. पत्रकारिता के नए आयाम, एस के दुबे, राजकमल प्रकाशन

7. भारत में प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया, संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन

# GE (ख) साइबर मीडिया

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| GE (ख) साइबर मीडिया | 4 | 3 | 0 | 1 | 12th Pass | NIL |

## Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनसंचार में साइबर मीडिया का महत्व बताना।
- साइबर मीडिया के विविध आयामों की जानकारी देना।
- साइबर मीडिया के एप्लीकेशन्स से अवगत कराना।
- समाचार वेबसाइट, ब्लॉग और मोबाइल कम्युनिकेशन के लिए कंटेंट निर्माण का परिचय देना।
- साइबर कानून और उसमें नैतिकता के महत्व से अवगत कराना।

## Course Learning Outcomes

- संचार प्रौद्योगिकी की समझ विकसित होगी।
- साइबर मीडिया का प्रभावशाली तरीके से प्रयोग करना सीखेंगे।
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग एवं लेखन का कौशल प्राप्त करेंगे।
- ऑनलाइन मीडिया के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कंटेंट विकसित करने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- साइबर कानून, साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा संबंधी समझ विकसित होगी।

**1 साइबर मीडिया: परिचय एवं अवधारणा 10 घंटे**

- साइबर मीडिया: परिभाषा, महत्व और भारत में साइबर पत्रकारिता
- साइबर मीडिया तकनीक और विशेषताएं
- साइबर मीडिया और मीडिया के अन्य रूपों में अंतर, संचार माध्यम के रूप में साइबर मीडिया

**2 ऑनलाइन मीडिया रिपोर्टिंग 10**

- ऑनलाइन पत्रकारिता: उद्देश्य, प्रकार एवं विशेषताएं
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग: परंपरागत रिपोर्टिंग, मुक्त स्रोत (ओपन सोर्स) रिपोर्टिंग एवं वर्गीकृत रिपोर्टिंग
- ऑनलाइन पत्रकारिता के ट्रेंड्स एवं ऑनलाइन पत्रकार की विशेषताएं

**3 ऑनलाइन मीडिया के लिए लेखन 10 घंटे**

- ऑनलाइन लेखन : तत्व एवं विशेषताएं, कहानी एवं समाचार विकास के लिए डिजिटल मीडिया पर ग्राफ, इंफो ग्राफिक्स, मानचित्र, कार्टून, संकेतों और प्रतीकों का उपयोग
- ऑनलाइन लेखन के प्रकार: ब्रेकिंग न्यूज़, न्यूज़ स्टोरी , मल्टीमीडिया दृश्य स्टोरी लेखन, प्लेटफॉर्म आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन: न्यूज़ वेबसाइट और ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए लेखन, अंतर्संबंध (इंटरएक्टिव) लेखन, एसईओ (SEO) आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन, फैक्ट चेकिंग
- ई-मेल लिखना, ट्विटर के लिए लेखन – ट्वीट, ट्वीट संबंधी लेखन दिशानिर्देश, ट्विटर टिप्स और उपकरण, फेसबुक पर लेखन, ब्लॉग लेखन, विषय-वस्तु का चुनाव करना, कहानियों का क्रम बनाना, पाठकों की संख्या बनाए रखना, चुनौतियाँ एवं ब्लॉग कमेंट

**4 साइबर अपराध और कानून 15घंटे**

- साइबर मीडिया और साइबर कानून, परिचय एवं आवश्यकता
- आईसीटी (ICT) 2000, 2008, 2021, बैंक और ई-रिकॉर्ड के रखरखाव संबंधी नीति
- हैकिंग: नैतिक और अनैतिक, स्थिति, साइबर अपराध एवं भारत में वेबसाइटों की निगरानी और ब्लॉक करने की शक्तियाँ

**प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे**

- ब्लॉग निर्माण एवं लेखन।
- हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का स्वरूप और सामग्री की दृष्टि से अध्ययन और समीक्षा।
- किसी वेब पोर्टल की सामग्री का विश्लेषण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।

- ऑनलाइन मीडिया संबंधित केस स्टडी का अध्ययन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- मल्टीमीडिया के प्रयोग से विविध डिजिटल डिवाइस पर कंटेंट बनाना।
- सामाजिक संदेशों के लिए ट्विटर का प्रयोग और सामग्री पर ऑनलाइन मीडिया हेतु रिपोर्ट तैयार करना।
- वेबसाइट डिजाइन करना और कंटेंट बनाना।

**सहायक पुस्तकें :**


1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
2. ऑनलाइन पत्रकारिता, हर्ष देव, सम सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. ऑनलाइन जर्नलिज्म, तपस रे, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
4. ऑनलाइन जर्नलिज्म-प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिस फॉर दि वेब, जिम फोस्ट, रुठलेस प्रकाशन
5. द एलिमेंट्स ऑफ ऑनलाइन जर्नलिज्म, आरजी रोजेल्स, यूनिवर्स प्रेस, यूके
6. साइबर क्राइम : इंपैक्ट इन द मिलेनियम, आरसी मिश्रा, ऑथर प्रेस
7. ब्लॉग्स : इमर्जिंग कम्युनिकेशन मीडिया, डी. सतीश एंड राजेश प्रभाकर कालिया, द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी प्रेस

# Community outreach (2)

## CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

| Course title & Code | Credits | Credit distribution of the course | | | Eligibility criteria | Pre-requisite of the course (if any) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Lecture | Tutorial | Practical/ Practice | | |
| Community Outreach | 2 | | | 2 | 12th Pass | NIL |

### Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

5. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
6. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
7. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
8. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

### Course Learning Outcomes

5. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
6. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
7. मीडिया व्यावसाय का व्यवहारिक कौशल विकसित होगा।
8. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

**Syllabus :** **120 घंटे**

11. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
12. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
13. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
14. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।
15. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
16. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।

17. समाज के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।

18. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में विभिन्न मीडिया गतिविधियों को कार्यान्वित करना।

19. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।

20. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

**फील्ड वर्क सेमेस्टर में :**

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) समूह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

**नोट :** हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम केलिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रायोगिक प्रिशक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर के साथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था होनी चाहिए।

**REGISTRAR**